राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 31जनवरी 2024 वर्ष–7,अंक–7 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद में सर्वदलीय बैठक आज:बजट सत्र आज से शुरू होगा, इसे शांतिपूर्ण चलाने पर चर्चा होगी

राज्यसभा : उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों की 56 सीटों पर 27 फरवरी को चुनाव; एनडीए को छह सीटों पर बढ़त मिलना तय

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों पर चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। इनमें सबसे अधिक 10 सीटें उत्तर प्रदेश की हैं। इन सीटों पर 27 फरवरी को मतदान होगा, उसी दिन नतीजे आएंगे। नामांकन 8 फरवरी को शुरू होगा। परचा दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी है। परचों की जांच की 16 को होगी और प्रत्याशी 20 तक नाम वापस ले सकेंगे। राज्यसभा के 50 सदस्यों का कार्यकाल दो अप्रैल व छह का तीन अप्रैल को खत्म होगा। इनमें यूपी की दस सीटों के अलावा महाराष्ट्र-बिहार की 6-6 व मध्य प्रदेश-प.बंगाल की 5-5 सीटें हैं। कर्नाटक-गुजरात में 4-4 सीटों व ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान में 3-3 सीटों पर चुनाव होगा। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ की भी 1-1 सीट शामिल हैं।

यूपी में भाजपा को सात, सपा को दो सीटें तय

यूपी में भाजपा को सात सीटें मिलना तय है। सपा की दो सीटें भी तय हैं। आरएलडी की मदद से वह तीसरी सीट जीत सकती है। अभी राज्यसभा में एनडीए के 114 सदस्य हैं जिनमें 93 भाजपा के हैं।

संसद में सर्वदलीय बैठक आज:बजट सत्र कल से शुरू होगा, इसे शांतिपूर्ण चलाने पर चर्चा होगी;

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह बैठक आज सुबह 11:30 बजे से संसद भवन परिसर के पार्लियामेंट लाइब्रेरी बिल्डिंग में शुरू होगी। इसमें संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) के सभी राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स को बुलाया है। इस बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से आगामी बजट सत्र के शांतिपूर्ण संचालन के सहयोग की अपील करेगी।

संसद का बजट सत्र कल (31 जनवरी) राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के संबोधन से शुरू होगा। इसके अगले दिन 1 फरवरी को केंद्र सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी बजट होगा। यह सत्र 9 फरवरी तक चलेगा।

बजट होता क्या है?

जिस तरह से हमें अपने घर को चलाने के लिए एक बजट की जरूरत होती है, उसी तरह से देश को चलाने के लिए भी बजट की जरूरत पड़ती है। हम अपने घर का जो बजट बनाते हैं, वो आमतौर पर महीनेभर का होता है।

इसमें हम हिसाब-किताब लगाते हैं कि इस महीने हमने कितना खर्च किया और कितना कमाया। इसी तरह से देश का बजट भी होता है। इसमें सालभर के खर्च और कमाई का लेखा-जोखा होता है।

बजट की पूरी प्रोसेस

1. सबसे पहले वित्त मंत्रालय एक सर्कुलर जारी कर सभी मंत्रालयों, राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, स्वायत्त संस्थाओं को नए साल के लिए एस्टीमेट बनाने के लिए कहता है। उन्हें नए साल के लिए अनुमान देने के अलावा पिछले साल की खर्च और आमदनी का ब्योरा भी देना होता है।

जिस तरह से हमें अपने घर को चलाने के लिए एक बजट की जरूरत होती है, उसी तरह से देश को चलाने के लिए भी बजट की जरूरत पड़ती है। हम अपने घर का जो बजट बनाते हैं, वो आमतौर पर महीनेभर का होता है। इसमें हम हिसाब-किताब लगाते हैं कि इस महीने हमने कितना खर्च किया और कितना कमाया।

2. एस्टीमेट मिलने के बाद केंद्र सरकार के आला अफसर उसकी पड़ताल करते हैं। इस पर संबंधित मंत्रालयों और व्यय विभाग के अधिकारियों की गहन चर्चा होती है। इसके बाद आंकड़ों को सिफारिशों के साथ वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाता है।

3. वित्त मंत्रालय सभी सिफारिशों पर गौर करने के बाद विभागों को उनके खर्च के लिए राजस्व का आवंटन करता है। राजस्व और आर्थिक मामलों का विभाग हालात को गहराई से समझने के लिए किसानों और छोटे कारोबारियों के प्रतिनिधियों और विदेशी संस्थागत निवेशकों से संपर्क करता है।

4. प्री बजट मीटिंग में वित्त मंत्री संबंधित पक्षों के प्रस्ताव और मांगों को जानने के लिए उनसे मिलते हैं। इनमें राज्यों के प्रतिनिधि, बैंकर, कृषि विज्ञानी, अर्थशास्त्री और कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। प्री-बजट मीटिंग खत्म होने के बाद वित्त मंत्री सभी मांगों पर अंतिम फैसला लेते हैं। बजट को अंतिम रूप दिए जाने से पहले वित्त मंत्री प्रधानमंत्री से भी बात करते हैं।

5. बजट पेश होने से कुछ दिन पहले हलवा सेरेमनी होती है। एक बड़ी सी कड़ाई में तैयार किया जाने वाला हलवा वित्त मंत्रालय के स्टाफ में बांटा जाता है। इसी के साथ बजट की छपाई प्रक्रिया शुरू होती है। प्रक्रिया में लगे अधिकारी और सपोर्ट स्टाफ बजट पेश होने तक मंत्रालय में ही रहते हैं। इस वित्त वर्ष के बजट की प्रिंटिंग नहीं हुई और संसद सदस्यों को उसकी सॉफ्ट कॉपी दी गई।

6. वित्त मंत्री आम बजट को लोकसभा में पेश करते हैं। 2016 तक फरवरी के अंतिम दिन पेश होता था। 2017 से यह हर साल 1 फरवरी को पेश होने लगा। इस साल पहली बार बजट के सभी दस्तावेज Union Budget मोबाइल पर उपलब्ध कराए गए।

100 दिन से जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर दिल्लीवाले, हो सकती है हवा; GRAP-3 होगा लागू?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लोग बीते सौ दिनों से प्रदूषण के कारण जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। पिछले साल 20 अक्तूबर के बाद से एक दिन भी ऐसा नहीं रहा है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से कम रहा हो। अगले दो-तीन दिनों के अंदर भी प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में ही रहने की संभावना है। इस बार सर्दियों के मौसम में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कम आए हैं। इसके चलते लोगों को सामान्य से ज्यादा प्रदूषण का सामना करना पड़ा है। सोमवार का दिन 101वां है जब वायु गुणवत्ता खराब है। 20 अक्तूबर को एक्यूआई 195 अंक पर था। हवा मध्यम श्रेणी में थी। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि इस अवधि में 15 दिन एक्यूआई का स्तर 400 से भी ऊपर रहा है।

अग्निवीर सेना से रिटायर होकर नौकरी के लिए नहीं होंगे परेशान, शुरू होगी कौशलवीर योजना

न,नई दिल्ली। सेवानिवृत्त होने वाले सैनिक या अग्निवीर को भविष्य में रोजगार के लिए मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि वह सेना से कौशलवीर बनकर बाहर निकलेंगे। सेना ने अपने जवानों एवं अग्निवीरों को तकरीबन 500 किस्म के रोजगारपरक कौशल से लैस कराने के लिए कौशलवीर नामक एक नई योजना शुरू करने का फैसला किया है। सेना के सूत्रों के अनुसार, यह योजना नई शिक्षा नीति और नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुरूप है तथा इसे नेशनल स्किल डवलपमेंट काउंसिल की मदद से तैयार किया जा रहा है। योजना के तहत जवानों एवं अग्निवीरों के कौशल को नेशनल क्रेडिट

फ्रेमवर्क के साथ जोड़ा जाएगा और आवश्यक प्रशिक्षण देकर उन्हें नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन लेवल 5.5 के अनुरूप सार्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। इसमें अधिकतम उप प्रबंधक स्तर का रोजगार मिल सकेगा। सेना की तरफ से कौशलीवीर परियोजना का जो खाका तैयार किया गया है, उसके अनुसार करीब पांच सौ किस्म के कौशल को चिह्नत किया गया है। इनमें से किसी एक कौशल से एक जवान को लैस किया जाएगा। इसके लिए देश भर में 37 स्किल सेक्टर काउंसिल और उससे संबद्ध 100 ट्रेनिंग संस्थानों की भी मदद ली जाएगी। परियोजना में कौशल प्रमाण-पत्र प्रदान करने वाली 17 एजेंसियों एवं आकलन करने वाली 40 एजेंसियों की मदद ली जा रही है। हालांकि, योजना नियमित सैनिकों और अग्निवीर- दोनों के लिए होगी लेकिन अग्निवीरों को इस योजना का ज्यादा लाभ मिलेगा क्योंकि वह कम उम्र के होंगे और बढ़-चढ़ कर इस योजना में हिस्सा लेंगे।

कौशलवीर योजना

सेना के जवान सुरक्षा ड्यूटी के अलावा भी अन्य किस्म के तकनीकी कार्य में लगे रहते हैं। इन्हीं के आधार पर पांच सौ किस्म के कार्यो की पहचान की गई है। सेवानिवृत्ति से पूर्व जवानों को उनके अनुरूप अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्योग जगत की जरूरत के अनुरूप तैयार किया जाएगा, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें तत्काल बाजार में रोजगार उपलब्ध हो सके।

जवानों की स्थिति

आंकड़े बताते हैं कि 62 हजार जवान सेना से हर साल सेवानिवृत्त होते हैं। वहीं, 50 हजार अग्निवीर साल में भर्ती हो रहे हैं। 38 हजार अग्निवीरों का सेवाकाल 2026 में पूरा होगा।

जदयू के आने से बिहार में बहुत बड़ा हो गया राजग का कुनबा

अब वीआईपी को भी गठबंधन में लाने की तैयारी

बिहार। बिहार में जदयू को साथ कर विपक्षी इंडी गठबंधन को सबसे बड़ा झटका देने के बाद भाजपा के सामने आने वाली मुख्य चुनौती सीटों के बंटवारे की है। जदयू के साथ आने और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के भी राजग में शामिल होने के बाद राज्य में राजग के कुनबे में सात दल हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक घाटा जदयू को उठाना होगा, जबकि मिशन क्लीन स्वीप को अमली जामा पहनाने के लिए भाजपा को भी सहयोगियों को साधे रखने के लिए अपना दिल बड़ा करना होगा। दरअसल, भाजपा की रणनीति राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन को यादव-मुस्लिम मतदाता वर्ग तक ही सीमित कर देने की है। जदयू के साथ छोड़ने के बाद पार्टी ने उपेंद्र कुशवाहा, जीतन राम मांझी और लोजपा के दूसरे धड़े के नेता चिराग पासवान को साधा था, जबकि वीआईपी के मुकेश सहनी से बातचीत अंतिम दौर में थी। तब भाजपा ने खुद 28 सीटों पर लड़ने और सहयोगियों के लिए 12 सीटें छोड़ने का फॉर्मूला तय किया था। हालांकि, जदयू के आने के बाद पार्टी को नया फॉर्मूला तय करना होगा।

जदयू को होगा सबसे अधिक घाटा

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, बीते चुनाव में 17 सीटों पर लड़ने वाले जदयू को इस बार 10 से 12 सीटें मिलेंगी। खुद भाजपा अधिकतम 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी बची सीटें लोजपा के दोनों धड़ों, वीआईपी, हम और आरएलजेडी को दी जाएगी। पार्टी की चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि विपक्षी महागठबंधन सीट बंटवारे में फूट का इंतजार कर रहा है। इसे भांपते हुए जदयू के इतर दूसरे सहयोगी पुराने फॉर्मूले के तहत सीट मांग सकते हैं।

किसी को छोड़ने की स्थिति नहीं

पुराना प्रदर्शन दोहराने के लिए भाजपा किसी सहयोगी को छोड़ने की स्थिति में नहीं है। जदयू के साथ आने से पहले की तरह अति पिछड़ा वर्ग राजग से जुड़ेगा। हालांकि, दलित वोट को साधे रखने के लिए पार्टी को लोजपा के दोनों धड़ों के साथ मांझी को साधे रखने की जरूरत होगी। इसी तरह लव-कुश समीकरण

को साधे रखने के लिए पार्टी को कुशवाहा की जरूरत है। जदयू के हटने के बाद इन्हीं पार्टियों के जरिये भाजपा नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार कर रही थी।

ये हैं चुनौतियां

वीआईपी अगर राजग में आती है तो उसे दो सीटें देनी होंगी। भाजपा पहले ही कुशवाहा को दो और मांझी को एक सीट देने का वादा कर चुकी है। लोजपा के दोनों धड़े अलग-अलग छह-छह सीटें मांग रहे हैं। इनमें चिराग पासवान पर राजद की नजर है। ऐसे में अगर दोनों धड़े छह सीट पर भी माने तो भाजपा और जदयू के लिए 29 सीटें बचती हैं। अगर चिराग ने दबाव बढ़ाया तो यह संख्या और कम हो सकती है।

बजट से उम्मीद: सरकार कारोबारियों को बीमा का दे सकती है फायदा

नई दिल्ली, केंद्र सरकार अगले वित्त वर्ष से कारोबारियों को बीमा का तोहफा दे सकती है। हिन्दुस्तान को सूत्रों के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक एक फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट में जीएसटी में रजिस्टर्ड रिटेल सेक्टर के कारोबारियों के लिए दुर्घटना बीमा का ऐलान किया जा सकता है।

10 लाख रुपए तक की दुर्घटना बीमा

जानकारी के मुताबिक कारोबारियों को नेशनल रिटेल ट्रेड पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपए तक की दुर्घटना बीमा पॉलिसी सिर्फ 6000 रुपए तक के रियायती प्रीमियम में मिल सकेगी। इस बीमा की जिम्मेदारी न्यू इंडिया एश्योरेंस के साथ-साथ कुछ दूसरी सरकारी इंश्योरेंस कंपनियों को दी जा सकती है।

सरकार के स्तर पर इस में अलग-अलग विभागों के साथ इंश्योरेंस कंपनियों की कई दौर की बैठकों के बाद इसका खाका तैयार किया गया है। इस पॉलिसी में छोटे और बड़े हादसों के साथ साथ कारोबारी की मौत पर ये बीमा लागू होगा।

इंश्योरेंस पॉलिसी के अलावा नेशनल रीटेल पॉलिसी के

माध्यम से सरकार कारोबारियों को सस्ती दरों पर कर्ज भी मुहैया कराएगी। साथ ही देश में बेहतर तरीके से आपूर्ति तंत्र को विकसित किया जाना भी प्राथमिकता में रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि नई नीति से न केवल खुदरा व्यापार का दयरा बढ़े बल्कि लोगों को भी खरीदारी के बेहतर विकल्प भी उपलब्ध हो सकें। साथ ही कारोबारियों के डिजिटाईजेशन पर भी व्यापक तौर पर फोकस किया जाएगा।

बजट सत्र से पहले सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई

सरकार ने बजट सत्र से पहले मंगलवार को संसद में विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। हर सत्र से पहले यह एक तरह की पारंपरिक बैठक होती है। बैठक में विभिन्न दलों के नेता उन मुद्दों को सामने रखते हैं जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं। सरकार उन्हें अपने एजेंडे के बारे में जानकारी प्रदान करती है तथा उनका सहयोग मांगती है।

लोकसभा चुनाव से पहले यह बजट सत्र 31 जनवरी को आरंभ होकर 9 फरवरी को समाप्त होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश करेंगी। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संबोधन से होगी।

सावधान! दिल्लीवाले छाता रखें तैयार, आज तेज हवाओं संग होगी बारिश; येलो अलर्ट हुआ जारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार को तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके चलते लोगों को ठंड से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर अब दिल्ली के मौसम पर देखने को मिलेगा। मंगलवार की सुबह हल्का कोहरा रहेगा, जबकि दिन में आसमान साफ रहेगा। शाम के समय बादलों की आवजाही शुरू हो जाएगी। बुधवार को राजधानी के ज्यादातर इलाकों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है। हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने

मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर अब दिल्ली के मौसम पर देखने को मिलेगा। आज सुबह हल्का कोहरा रहेगा, जबकि दिन में आसमान साफ रहेगा। शाम के समय बादलों की आवजाही शुरू हो जाएगी।

की संभावना है। इसके लिए मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। गुरुवार को भी हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके चलते न्यूनतम तापमान में भी इजाफा होगा और लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिलेगी। वहीं, दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सोमवार सुबह हल्का कोहरा देखने को मिला। नौ बजे के बाद धूप निकलने से आसमान साफ हो गया। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि, न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है।

कोहरे से 30 विमान और 50 रेलगाड़ियां प्रभावित

राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में कोहरे की स्थिति में पहले की तुलना में सुधार हुआ है। हालांकि, अभी भी विमान और रेल सेवाओं पर इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली हवाई अड्डे पर सोमवार की सुबह लगभग 30 विमानों का संचालन प्रभावित हुआ। जबकि, 50 रेलगाड़ियां अपने निर्धारित समय से देरी से दिल्ली पहुंचीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तरक्की की रफ्तार

इस सप्ताह सबकी निगाह देश की अर्थव्यवस्था पर है, तो यह स्वाभाविक ही है। बजट का समय खुद को सजग नागरिक बनाने का भी अवसर होता है। बजट पेश करने से पहले सरकार अपनी एक विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट भी पेश करती है, जिसे आर्थिक सर्वेक्षण कहा जाता है। हालांकि, इस बार देश में आम चुनाव की वजह से अंतरिम बजट पेश होना है, तो आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट चुनाव के बाद पेश होने वाले आम बजट से पहले पेश की जाएगी। फिर भी, वित्त मंत्रालय ने एक संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है। सुखद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किए जाने से दो दिन पहले 29 जनवरी को वित्त मंत्रालय ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था अगले साल 7 प्रतिशत के करीब जीडीपी विकास दर हासिल कर सकती है। यदि कोई प्रतिकूल स्थिति नहीं बनी, तो आगामी वित्त वर्ष में देश सात प्रतिशत से भी ज्यादा की विकास दर हासिल कर सकता है। सबसे बड़ी बात कि साल 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद की जा सकती है। गुरुवार को संसद में 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश होना है और जिस तरह का अनुमान आंशिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में लगाया गया है, उससे यही लगता है कि यह अंतरिम बजट विकास को गति देने वाला होगा। अभी सब कुछ ठीक चल रहा है और आगामी तीन वर्ष में भारत 5 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय की इस संक्षिप्त रिपोर्ट में फिर एक बार याद दिलाया गया है कि साल 2047 तक भारत विकसित देश बन जाएगा। वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन पेश होने जा रहे अंतरिम बजट को लेकर भी उत्साहित हैं और उन्हें भी चुनाव बाद पेश होने वाले आम बजट का इंतजार होगा। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तुलनात्मक रूप से सराहनीय है और इसे सबसे ज्यादा मदद घरेलू मांग से मिल रही है। डेढ़ अरब की आबादी की ओर बढ़ रहा देश अपने आप में एक बड़ा बाजार है। एक इतना बड़ा बाजार कि जिसमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप का बाजार भी समा सकता है। अत- अपने लोगों की मांगों को ही अगर पूरा किया जाए, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर ठीक-ठाक बनी रह सकती है। दूसरी बात, भारत में निवेश में भी वृद्धि हुई है और इसका कमोबेश संकेत भारतीय शेयर बाजार से भी मिल रहा है। बुनियादी ढांचे- भौतिक और डिजिटल, दोनों में निवेश के साथ आपूर्ति पक्ष भी मजबूत हुआ है। उत्पादन बढ़ा है, क्योंकि मांग का दबाव लगातार बना हुआ है। यही वजह है कि सात प्रतिशत की विकास दर का अनुमान स्वाभाविक लगता है। भारतीय अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक गति से बढ़ रही है। वैसे, अर्थव्यवस्था पर अब भी भू-राजनीतिक संघर्षों का बड़ा जोखिम मंडरा रहा है। देश में आंतरिक रूप से जहां शांति कायम रहनी चाहिए, वहीं बाहर से भी चुनौतियों का हमला अगर न हो, तो भारत अपने लक्ष्यों को जल्दी से जल्दी पाने में कामयाब हो सकता है। ध्यान रहे, अरब दुनिया के साथ ही, यूक्रेन में भी चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। आगे चुनावी वर्ष में हमें यह उम्मीद करनी चाहिए कि अर्थव्यवस्था में तेजी बनी रहेगी, ताकि भारत की आबादी के हिसाब से रोजगार के अवसर भी लगातार बढ़ते रहें।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

आकर्षक पैकेज में रोगवर्धक प्रोसेस्ड फूड

देविंदर शर्मा

जब भी मैंने कृषि उपज के लिए गारंटीशुदा कीमत का सवाल उठाया, ट्रोल के एक वर्ग ने हमेशा मुझे यह कहते हुए घेर लिया कि उपभोक्ता को खराब गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों के लिए भुगतान क्यों करना चाहिए। बड़े पैमाने पर शहरी आबादी में किसानों के प्रति अंतर्निहित दुराग्रह के अलावा, शायद वे जिस मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं वह यह है कि सारी कृषि उपज समान गुणवत्ता वाली नहीं होती है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदे जाने के काबिल हों। दरअसल, वे यह नहीं जानते कि एमएसपी की डिलीवरी भी किसानों की उपज की गुणवत्ता पर आधारित है। उदाहरण के लिए, बेहतरीन चावल की कीमत सामान्य किस्मों की तुलना में अधिक है। इसी तरह चीनी की हाई रिकवरी वाले गन्ने के लिए, चीनी मिलें तुलनात्मक रूप से अधिक रेट देती हैं। यहां तक कि ए-ग्रेड के अंडों की कीमत भी सामान्य ग्रेड वालों से अधिक है। इसके लिए अभी भी और अधिक किया जा सकता है, लेकिन कम से कम यह उतना मामूली नहीं है जितना शहरी शिक्षित लोग हमें विश्वास दिलाना चाहते हैं। फिर भी, जो लोग किसानों को सही कीमतों से वंचित करने के लिए बार-बार कृषि उपज की क्वालिटी की बात करते हैं, वे ही लोग हैं जिन्हें खराब गुणवत्ता के लिए भुगतान करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों द्वारा धोखा दिया जाता है। वास्तव में, वे निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बहुत ज्यादा कीमत पर खरीदते हैं, जो प्राथमिक उत्पादक को उनके द्वारा भुगतान की गई कीमत से कई गुणा अधिक होता है। केवल इसलिए कि प्रोसेस्ड फूड आकर्षक पैकेज में आता है, शायद कोई फिल्म स्टार या क्रिकेटर उस उत्पाद का विज्ञापन भी करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उपभोक्ता जो खरीदता है वह गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरता है। यह वास्तव में बहुत बुरी बात है। औसत उपभोक्ता, जो स्वास्थ्यवर्द्धक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तलाश में मॉल्स या सुपरमार्केट में जाता है, यह अनुभव करने में नाकाम रहता है कि प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स में से अधिकांश जो अलमारियों में लाइनों में सजा है - एक सुपर मार्केट स्टोर में लगभग 40,000 ऐसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ हैं- वे अंततः जो खरीदते हैं वह सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला है। अगर मुझे खराब क्वालिटी का कहने की अनुमति दी जाए तो यह अक्सर समाज में होने वाली अधिकांश बीमारियों की जड़ है। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है कि यदि बतौर विक्रेता आप जहर को आकर्षक पैकेजिंग के साथ पेश करना जानते हैं तो संभावना है कि उपभोक्ता इसे खरीदने के लिए इच्छुक मिलें! एक आंखें खोलने वाला अध्ययन जो ओपन-एक्सेस ट्रांसडिसिप्लिनरी जर्नल, ग्लोबलाइजेशन एंड हेल्थ में 1 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित हुआ, मैं चाहता हूं कि हर उपभोक्ता इसे पढ़े। उस अध्ययन के तहत लॉरेन एट अल ने यह पता लगाने के लिए एक पद्धति विकसित की है कि प्रसंस्कृत भोजन और पेय की बिक्री की कितनी मात्रा सेहत के लिए फायदेमंद की श्रेणी में आती है और कितनी अस्वास्थ्यकर की कैटेगरी में। उन्होंने शीर्ष 20 वैश्विक खाद्य दिग्गज कंपनियों द्वारा निर्मित 1,294 ब्रांडों के 35,550 उत्पाद चुने। ये कंपनियां सात देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, भारत, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से ली गई थीं- और आम तौर पर कोई भी यह मानेगा कि इन देशों की बेचे जा रहे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर पैनी नज़र होगी। साल 2022 में इन 20 बड़ी खाद्य कंपनियों की रिटेल सेल 7.7 अरब डॉलर से अधिक हो गई। मुझे यकीन है कि जो कुछ सामने आया उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। लगभग 89 प्रतिशत बिक्री को अस्वास्थ्यकर श्रेणी में रखा गया। हैरानी होती है कि गुणवत्ता के प्रति जागरूक आबादी के उसी वर्ग का क्या होता है जिसकी एक किसान द्वारा अपनी उपज बेचने पर तो भौंहें तन जाती हैं, लेकिन खुशी-खुशी सुपर मार्केट से अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खरीद लेते हैं। शायद यह आकर्षक पैकेजिंग की चकाचौंध ही है जो उन्हें खरीदने के लिए धोखा देती है, उन्हें यह अहसास नहीं होता कि हर चमकती चीज सोना नहीं होती। अधिकतर अस्वास्थ्यकर बिक्री प्रोसेस किये गये खाद्य उत्पादों, शीतल पेय, कन्फैक्शनरी और स्नैक्स से संबंधित थी। उदाहरण के लिए मॉडलेज़, मार्स और पेप्सिको की 5 प्रतिशत से भी कम बिक्री सेहत के लिए सही खाद्य पदार्थों की श्रेणी में आती है, जबकि रेड बुल और फ़रेरो की कोई भी बिक्री बिल्कुल भी स्वास्थ्यकर नहीं थी। अध्ययन के मुताबिक, तुलनात्मक रूप से बेहतर कार्य करने वाली कंपनियों में ग्रुपो बिंबो (42 फीसदी), डैनोन (34 फीसदी) और कोनैग्रा (32 फीसदी) शामिल थीं हालांकि उनकी सेल का भी अधिकतर हिस्सा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से लिया गया था। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में 74 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्यवर्द्धक आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ है, और यह भी माना जाता है कि जो लोग सेहतमंद आहार का खर्च उठा सकते हैं, वे स्वास्थ्यकर भोजन नहीं कर रहे हैं, ऐसे में मुझे आश्चर्य होता है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) क्या कार्य करता है जब देश में बिकने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता इतनी खराब है। इसका मतलब यह भी है कि एक परिवार जो अस्वास्थ्यकर भोजन खा रहा है वह असल में थाली तक पहुंचने वाले अस्वास्थ्यकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का परिणाम है। फैसले लेने की उस प्रक्रिया में पैदा हो रहे हितों के टकराव की समस्त चर्चा के बावजूद, जिसका मकसद सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थ यकीनी बनाना है, वैश्विक स्तर पर भोजन का कार्पोरेट औपनिवेशीकरण हो रहा है। जिसके चलते कुछेक कृषि-व्यवसाय समूहों के हाथों में शक्ति सिमटती जा रही है। साल 2021 संयुक्त राष्ट्र खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन, उसके उपरांत कोका-कोला के प्रायोजन के अंतर्गत सीओपी 27 और तेल कंपनियों द्वारा सीओपी 28, एक ऐसी दिशा की ओर इशारा करता है जो स्वयं अस्वस्थ है। यह मुझे एक अन्य संबद्ध प्रश्न पर लाता है। जब भी भारत में किसानों को ज्यादा कीमतें देने की बात होती है, तो मुझे तुरंत जवाब मिलता है कि फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय को पीएम-किसान संपदा योजना के तहत मार्च 2026 की अवधि तक 4600 करोड़ रुपये आवंटित किये जा चुके हैं, जो प्रमुखतया एग्रो प्रोसेसिंग समूहों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण, कोल्ड चेन व मूल्य संवर्द्धन ढांचे से जोड़ने के मकसद को लेकर है। खाद्य प्रसंस्करण पर जोर ऐसे समय में दिया जा रहा है जब विश्व स्तर पर अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और कैंसर समेत हानिकारक बीमारियों के बीच संबंध पर गंभीर चिंताएं जतायी जा रही हैं। साल 2018 के फ्रेंच न्यूट्रीनेट-सांटे कॉहोर्ट अध्ययन से पता चला है कि हमारे आहार में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में 10 प्रतिशत की वृद्धि स्तन और प्रोस्टेट कैंसर सहित समग्र कैंसर भार में 10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना पैदा करने के लिए काफी है। लेकिन फिर भी, जब भी मुझे अग्रसर कृषि प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा करने वाले सम्मेलन में आमंत्रित किया गया- अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर कभी कोई सत्र नहीं हुआ। वास्तव में, यह कहना गलत नहीं होगा कि जो अर्थशास्त्री व अन्य लोग फूड प्रोसेसिंग की चर्चा करते हैं उन्हें बढ़ रहे कैंसर मामलों से इसके संबंध का कम ही पता होगा। 'एनवायरनमेंट हेल्थ प्रस्पेक्टिव्स' के जनवरी 2024 अंक में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के जरिये ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित 921 कैमिकल्स की पहचान की गयी है। इन कैमिकल्स में से 90 प्रतिशत से अधिक रसायन खाद्य और पेय पदार्थों, कीटनाशकों जिनमें घरेलू कीट नियंत्रण शामिल है, के अलावा त्वचा और बालों की देखभाल उत्पादों में पाए जाते हैं। मैंने पहले बात की थी कि 89 प्रतिशत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ गैर सेहतमंद हैं, उसके साथ तालमेल बिठाते हुए, यह स्पष्ट रूप से हमें बताता है कि प्रसंस्करण उद्योग तो जमकर मुनाफा कमा रहा है, लेकिन भोले-भाले उपभोक्ता ही हैं जो अंततः भारी कीमत चुकाते हैं। अक्सर घातक।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

दूसरों के दुख-दर्द दूर करने वाला होता है सुखी

अंतर्मन/ सीताराम गुप्ता

कविवर रहीम का प्रसिद्ध दोहा है :-

यों 'रहीम' सुख होत है उपकारी के संग,
बांटनवारे को लगे, ज्यों मेहंदी को रंग।

दूसरों की भलाई करने वाला उसी प्रकार से सुखी होता है जैसे दूसरों के हाथों पर मेहंदी लगाने वाले की उंगलियां खुद भी मेहंदी के रंग में रंग जाती हैं। रंग ही नहीं जाती हैं अपितु सुवासित भी हो जाती हैं। जो इत्र बेचते हैं वे खुद उसकी सुगंध से महकते रहते हैं। जिस प्रकार से एक फूल बेचने वाले के कपड़ों और बदन से फूलों की सुगंध नहीं जा सकती उसी प्रकार से दूसरों की भलाई करने वाले व्यक्ति पर उसके द्वारा की गई भलाई का अच्छा प्रभाव भी उस पर अवश्य ही पड़ता है। ऐसे व्यक्ति का कभी अहित नहीं हो सकता। प्रत्यक्ष रूप से ही नहीं परोक्ष रूप से भी इसका लाभ मिलता है। एक बुढ़िया बेहद कमज़ोर और बीमार थी। रहती भी अकेले ही थी। उसके कंधों में दर्द रहता था लेकिन वह खुद अपने हाथों से दवा लगाने में भी असमर्थ थी। कंधों पर दवा लगवाने के लिए लोगों से मिन्नतें करतीं। एक दिन बुढ़िया ने पास से गुजरने वाले युवक से कहा कि बेटा जरा मेरे कंधों पर ये दवा लगा दे। भगवान तेरा भला करेगा। युवक बोला अम्मा मेरे हाथों की उंगलियों में तो दर्द रहता है। मैं कैसे दवा लगाऊं? बुढ़िया ने कहा कि बेटा बस इस डिबिया में से थोड़ी-सी मरहम अपनी उंगलियों से निकालकर मेरे कंधों पर फैला दे। युवक ने अनिच्छा से डिबिया में से थोड़ी-सी मरहम लेकर अपने एक हाथ की उंगलियों से बुढ़िया के दोनों कंधों पर लगा दी। दवा लगते ही बुढ़िया की बेचैनी कम होने लगी। बुढ़िया युवक को आशीर्वाद देने लगी। बेटा, भगवान तेरी उंगलियों को भी जल्दी ठीक कर दे। युवक अविश्वास से हंस दिया लेकिन उसने महसूस किया कि उंगलियों का दर्द भी गायब होता जा रहा है। वास्तव में बुढ़िया को मरहम लगाने के बाद युवक की उंगलियों पर कुछ मरहम लगी रह गई थी। उसने दूसरे हाथ की उंगलियों से उसे पोंछने की कोशिश की तो मरहम उसके दूसरे हाथ की उंगलियों पर भी लग गई। यह उस मरहम का ही कमाल था जिससे युवक के दोनों हाथों की उंगलियों का दर्द गायब-सा होता जा रहा था। अब तो युवक सुबह, दोपहर और शाम तीनों वक्त बूढ़ी अम्मा के कंधों पर मरहम लगाता और उसकी सेवा करता। कुछ ही दिनों में बुढ़िया पूरी तरह से ठीक हो गई और साथ ही युवक के दोनों हाथों की उंगलियां भी दर्दमुक्त होकर ठीक से काम करने लगीं। निस्संदेह जो दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाता है उसके खुद के जख्म भरने में देर नहीं लगती। 'दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाना' अब इस मुहावरे को भी देख लीजिए। जरूरी नहीं जख्मों पर कोई दवा या मरहम ही लगाई जाए क्योंकि ये जख्म भीतरी भी हो सकते हैं। मनुष्य की पीड़ा भौतिक ही नहीं मानसिक भी हो सकती है। दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाने का अर्थ है किसी के दुखी मन को सांत्वना देकर उसकी मानसिक यंत्रणा अथवा पीड़ा को कम करना। आवश्यकता के अनुसार किसी को कोई आश्वासन देना। यदि कोई किसी को किसी भी प्रकार की पीड़ा से मुक्त करता है तो पीड़ित को बड़ी राहत मिलती है। वह पीड़ा को कम करने वाले या कष्ट को समाप्त करने वाले के प्रति कृतज्ञता से भर उठता है और आशीर्वाद या दुआएं देने लगता है। कृतज्ञता की अवस्था कृतज्ञ को ही नहीं मदद करने वाले को भी अच्छी लगती है। जब कोई उसके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करता है। वह एकदम विनम्र होकर परमार्थ के भावों से भर उठता है। दुनिया के सभी लोग कष्टमुक्त हो जाएं, ऐसी मनोदशा व्यक्ति के लिए आरोग्य प्रदान करने वाली होती है। ऐसी भावावस्था में व्यक्ति के शरीर में स्थित अंतःस्रावी ग्रंथियों से लाभदायक हार्मोंस का उत्सर्जन प्रारंभ हो जाता है। जो उसे रोगों से बचाने तथा रोगग्रस्त होने पर शीघ्र रोगमुक्त करने में सहायक होते हैं। किसी की मदद करने, कोई अच्छा काम करने अथवा निष्काम भाव से कोई समाजोपयोगी कार्य करने से समाज में व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है। जिससे व्यक्ति को असीम परितुष्टि की अनुभूति होती है। यही असीम परितुष्टि की अनुभूति व्यक्ति के शरीर में उपयोगी हार्मोन सेरोटोनिन अर्थात हैपी हार्मोन के स्तर को बढ़ा देती है जो उसके स्वास्थ्य और रोगमुक्ति के लिए बेहद उपयोगी होती है। ऐसी अवस्था व्यक्ति के दीर्घायु होने में भी सहायक होती है। दूसरों की मदद करके भी हम अपने लिए रोग-मुक्ति, अच्छा स्वास्थ्य और दीर्घायु सुनिश्चित कर लेते हैं, इसमें संदेह नहीं। गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं :- जिनके मन में परहित जज्बा बना रहता है उनके लिए संसार की कोई भी वस्तु ऐसी नहीं है जो उन्हें न मिल सके। दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाने वाला, सच्चे मन से लोगों की सेवा करने वाला आध्यात्मिक, अधिभौतिक व अधिदैविक तीनों प्रकार की व्याधियों से मुक्त होकर आनंदपूर्वक जीवन ही नहीं व्यतीत करता है। वह धर्म का भी सही अर्थों में पालन करता है।

विचार मंथन

रेल्वे में भारी भ्रष्टाचार, रिश्वत की रकम रिश्तेदारों के बैंक खाते में

(लेखक-सनत जैन)

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने असम में रेलवे अधिकारियों द्वारा रिश्वत की रकम को, सीधे अपने परिवार जनों के बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर करवा दी। सात अधिकारियों ने लगभग 60 करोड रुपए की रिश्वत अपने परिवार जनों के बैंक खाते में ऑनलाइन प्राप्त की है। इसका खुलासा सीबीआई ने किया है। सरकारी कार्यालय में बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं होता है। अब रिश्वत लेने के लिए भी ऑनलाइन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। अपने परिवारजनों के, दोस्तों के, नौकरों के नाम पर एवं फर्जी बैंक खाते खुलवाकर बड़े पैमाने पर रिश्वत ऑनलाइन लेने का चलन बढा है। रेल मंत्रालय की गुवाहाटी में तैनात लगभग सात अधिकारियों ने ऑनलाइन अपने बेटे-बेटियों, साले-सालियों, जीजा-बहनोई और नौकरों के बैंक खाते में रिश्वत की रकम प्राप्त की है। सीबीआई ने 13 अधिकारियों के यहां विगत दिवस छापे डालें। इन छापों में रिश्वतखोर अधिकारियों के दस्तावेजों की जांच करने में 60 करोड रुपए की रिश्वत लिए जाने का मामला उजागर हुआ है। जो अधिकारी पकड़े गए हैं, उन्होंने असम की मेमर्स भरतिया इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड को, नॉर्दर्न फंटियर रेलवे के जोरोबाम - इंफाल रेल प्रोजेक्ट के सभी टेंडर दिलाने का काम किया है। सभी टेंडर की जांच किए बिना मंजूरी दे दी गई। धड़ाधड़ कंपनी के बिल भी पास किए गए। रिश्वत की रकम को अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों और जान पहचान वाले खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर करा ली। बिल में प्रतिशत के हिसाब से कमीशन वसूल करने का काम रेलवे के यह अधिकारी करते थे। इस ठेकेदार द्वारा फर्जी बिल भी लगाए गए, और उन फर्जी बिलों का भी भुगतान 100 फीसदी हुआ है। भारतीय इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी ने रिश्वत देने के लिए तीन अलग बैंक खाते खुलवाए थे। इसमें से दो बैंक खाता स्टेट बैंक आफ इंडिया में तथा एक बैंक खाता एचडीएफसी बैंक में था। सीबीआई के अधिकारियों ने जांच एजेंसी को काम दिए जाने से लेकर बिल पास करने तक के सभी दस्तावेजों को जप्त कर लिया है। अब उसकी जांच की जा रही है। रेल्वे में पिछले 1 दशक में निर्माण कार्यों, सामान की खरीद तथा स्टेशनों पर वेन्डरों को सामान बेचने की अनुमति देने के नाम पर करोड़ों रूपयों की रिश्वत लेने का काम खुले तौर पर चल रहा है। करोड़ों रूपयों की रिश्वत दिये जाने की चर्चायें रेल्वे मंत्रालय में है। रिश्वत देकर पोस्टिंग कराते हैं। उसके बाद रिश्वत और भ्रष्टाचार से रेल्वे के अधिकारी करोड़ों की कमाई कर रहे है। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में लाखों रुपए की रिश्वत की रकम बैंक में ट्रांसफर हुई है। जो अधिकारियों के रिश्तेदारों या उनसे जुड़े हुए लोगों के खातों में ट्रान्सफर हुई हैं। सीबीआई के पास इसके दस्तावेजी सबूत होने से इन अधिकारियों का बच पाना बड़ा मुश्किल है। पिछले 10 वर्षों में रेलवे के निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की शिकायतें बड़ी आम हो गई हैं। अधिकारियों की पद स्थापना मे भी रेलवे मंत्रालय के अधिकारी करोड़ों रुपए की रिश्वत लेने के बाद ही रिश्वतखोर अधिकारियों की उनकी मनचाही जगह पर पोस्टिंग करते हैं। नीचे से ऊपर तक रिश्वत का यह खेल रेलवे में महामारी की तरह फैल गया है। ऐसी छुटपुट कार्रवाई से रेलवे की भ्रष्टाचार को नियंत्रित कर पाना शायद ही संभव हो।

जियो ने पेश किया नया मशीन लर्निंग प्लेटफॉर्म जियो-ब्रेन

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्म्स ने एक नया 5जी इंटीग्रेटेड मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म जियो-ब्रेन पेश किया है। जियो ब्रेन सभी तरह के उद्योगों और व्यवसायों को एक इंटीग्रेटिड मशीन लर्निंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। जियो ब्रेन प्लेटफॉर्म आसानी से कंपनियों के मौजूदा नेटवर्क से जुड़ जाता है। इसके उपयोग के लिए कंपनियों को अपने मौजूदा नेटवर्क को बदले की जरूरत नहीं पड़ती। कंपनी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस यह इनोविटिव प्लेटफॉर्म सैकड़ों इंजीनियरों के प्रयासों और दो वर्षों के अनुसंधान के बाद विकसित हुआ है। मशीन लर्निंग को आसान बनाने के लिए जियो ब्रेन प्लेटफॉर्म्स 500 से अधिक एप्लिकेशन्स से लैस है। इमेज़, वीडियो, टैक्स्ट, डॉक्यूमेंट्स के लिए एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फीचर मौजूद है। वहीं इन-बिल्ट एआई एल्गोरिदम जैसी सुविधाएं भी जियो ब्रेन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स इसे 5जी और भविष्य की तकनीक 6जी की उत्पाद श्रृंखला के लिए मील का पत्थर मान रही है। उद्यमों में बदलाव और नेटवर्क के ओप्टिमैजेशन में जियो ब्रेन मदद करेगा, साथ ही 6जी विकास के लिए भी मंच तैयार करेगा, जहां मशीन लर्निंग को एक महत्वपूर्ण क्षमता माना जाता है।

छोटे चाय उत्पादकों के लिए ब्रांडिंग जरूरी

गुवाहाटी । वर्तमान समय में छोटे चाय उत्पादकों के लिए ब्रांडिंग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यह बात हाल ही में बाइसेन्टेनरी असम टी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024 के उदघाटन के मौके पर असम और भारत में लघु चाय उत्पादकों की क्रांति विषय पर चर्चा के दौरान वक्ताओं ने कही। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि चाय बागान मालिकों के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, इसलिए उनके उत्पाद की ब्रांडिंग से उनके द्वारा उत्पादित खराब गुणवत्ता वाली पत्तियों के आरोप को दूर करने में मदद मिल सकती है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टीम ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) का कहना है कि गुणवत्ता बनाए रखना हमारे सामने एक बड़ा मुद्दा है। इसे दूर करने के लिए ब्रांडिंग सबसे महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि देश में सालाना उत्पादित होने वाली चाय में छोटे चाय उत्पादकों का योगदान 50 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन खराब गुणवत्ता वाली पत्तियों के आरोप उनके खिलाफ अक्सर लगते रहते हैं। उचित ब्रांडिंग काफी हद तक गुणवत्ता अनुपालन के मुद्दे से निपटने में मदद कर सकती है। चाय विनिर्माण कंसल्टेंसी ने कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को ज्यादातर बैकएंड उत्पादक के रूप में देखा जाता है और उन्हें कम कीमत वसूली की समस्या का सामना करना पड़ता है, जो उनकी आय तथा आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के काफी सकारात्मक परिणाम मिले हैं: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

अंतरिम बजट से कुछ दिन पहले जारी समीक्षा में मंत्रालय ने कहा कि अब संभावना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तवर्ष 2024 के लिए 7 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धिदर हासिल करेगी, जबकि कुछ का अनुमान है कि यह वित्तवर्ष 25 में भी 7 प्रतिशत वास्तविक वृद्धि हासिल कर लेगी। यदि वित्त वर्ष 2015 के लिए पूर्वानुमान सही साबित होता है, तो यह महामारी के बाद चौथा वर्ष होगा, जब भारतीय अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत या उससे अधिक की दर से बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह एक प्रभावशाली उपलब्धि होगी, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और क्षमता की गवाही देगी। आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) द्वारा जारी द इंडियन इकोनॉमी- ए रिव्यू अपने दूसरे अध्याय में अन्य चीजों के अलावा कल्याण के नए दृष्टिकोण के बारे में बात करता है। समीक्षा का पहला अध्याय देश की अर्थव्यवस्था के अतीत, वर्तमान और भविष्य का अवलोकन प्रदान करता है जबकि दूसरा अध्याय सरकार की नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मापदंडों पर प्रगति पर विस्तृत नज़र डालता है। देश के मानव संसाधनों को संतुलित विकास और क्षमतापूर्ण कल्याण बताते हुए समीक्षा में कहा गया है कि पिछले एक दशक में भारत के कल्याण प्रतिमान में एक बड़ा परिवर्तन आया है, जो एक अधिक टिकाऊ, कुशल और सशक्त मॉडल के रूप में विकसित हुआ

है। इसमें कहा गया है कि इस बदलाव ने न केवल कल्याणकारी पहलों को क्षमता निर्माण आयाम प्रदान किया है, बल्कि देश में दीर्घकालिक मानव विकास के लिए एक मजबूत नींव भी रखी है।

वित्तीय शर्तें पूरी नहीं करने पर जी और सोनी का मर्जर टूटा!

नई दिल्ली ।

सोनी ने जी एंटरटेनमेंट के साथ अपनी भारतीय कंपनी के 10 बिलियन डॉलर के मर्जर सौदे की कुछ वित्तीय शर्तों को पूरा करने में विफल रहने की वजह रद्द किया था। वहीं जी ने सोनी को लिखे एक पत्र में आरोपों से इनकार किया है और जापानी कंपनी पर मर्जर को रद्द करने में विश्वास की कमी का आरोप लगाया। बता दें कि अगर जी और सोनी का मर्जर हो जाता तो यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत में खेल, मनोरंजन और समाचार के 90 से ज्यादा चैनलों का एक बड़ा मीडिया पावरहाउस तैयार हो जाता। सोनी ने 22 जनवरी को मर्जर संबंधी योजनाओं को समाप्त कर दिया था। सोनी ने कहा था कि वह ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि दो साल की बातचीत के बाद क्लोजिंग कंडीशन शर्तों से संतुष्ट नहीं है। हालांकि न तो सोनी और न ही जी ने टर्मिनेशन लेटर को सार्वजनिक किया। रॉयटर्स के अनुसार सोनी के नोटिस में कहा गया है कि ज़ी नकदी उपलब्धता समेत कुछ वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक रूप से उचित प्रयास करने में विफल रहा। जबकि भारतीय नेटवर्क का कहना है कि व्यावसायिक बुद्धिमता की कमी के कारण सोनी ने यह निर्णय लिया है। जापान की कंपनी सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सोनी पिक्चर्स ने इस बारे में ज़ी को नोटिस भेजा है। कंपनी ने सौदा खत्म करने के बदले ज़ी एंटरटेनमेंट से 9 करोड़ डॉलर भी मांगे हैं। जवाब में ज़ी के बोर्ड ने कहा कि वह शेयरधारकों के हित की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा। यदि दोनों कंपनियों का विलय हो जाता तो 10 अरब डॉलर की भारी भरकम मनोरंजन कंपनी तैयार हो जाती। आम मनोरंजन चैनलों के बाजार का तकरीबन 25 फीसदी हिस्सा उसी कंपनी के पास होता।

एलएंडटी को दुबई में मिला ठेका

नई दिल्ली ।

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को दुबई में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि इस परियोजना के तहत दुबई में सौर फोटोवोल्टकेनिक संयंत्र स्थापित करना शामिल है। एलएंडटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहो कि हम उस क्षेत्र में ऊर्जा बदलाव को गति देने के लिए अपने नवीन नवीकरणीय ऊर्जा समाधान तथा परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञता का इस्तेमाल करने को प्रतिबद्ध हैं। लार्सन एंड टुब्रो 23 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , सेंसेक्स 800, निफ्टी भी 208 अंक नीचे आया

निवेशकों को हुआ 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान वित्तीय , एफएमसीजी, फार्मा और आईटी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली हावी रही जिससे बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा घरेलू बाजार में हुई बिकवाली से भी अधिकतर सेक्टरल इंडेक्स नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1.11 फीसदी करीब 801.67 अंक टूटकर 71,139.90 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.96 फीसदी तकरीबन 208.80 अंक नीचे आकर 21,528.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान टाटा मोटर्स के शेयर दो फीसद से ज्यादा ऊपर आये। इसके अलावा केवल स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड और टेक महिंद्रा के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। इसके अलावा टाइटन, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी टूटे। जानकारों के अनुसार निवेशकों ने 1 फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट को देखते हुए सतर्क रवैया अपनाया हुआ है। इसके अलावा 31 जनवरी को अमेरिकी फेड नीति के परिणामों को देखते हुए मुनाफावसूली पर भी जोर दिया।

मुनाफावसूली के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक जैसी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 377.2 लाख करोड़ रुपये से घटकर लगभग 375.4 लाख करोड़ रुपये हो गया। इससे निवेशकों को एक ही सत्र में लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पहले गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59 अंक बढ़कर 72,000 पर खुला और 150 अंक की बढ़त के साथ 72,100 के स्तर पर देखा गया। वहीं एनएसई निफ्टी 50 21,800 के स्तर के करीब चला गया। हालांकि, बाजार में ज्यादा देर तेजी नहीं रही और सेंसेक्स कुछ समय में ही नुकसान के साथ नीचे आने लगा। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो हैंग सेंग 2 फीसदी फिसल गया। वहीं निक्केई, कोस्पी और ताइवान मामूली रूप से बढ़त में कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई कंपोजिट और स्ट्रेट्स टाइम्स नीचे थे। एसएंडपी 500 सोमवार को 0.76 फीसदी बढ़कर कल रात रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। डॉव 0.59 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 1.12 फीसदी चढ़ा। हांगकांग को छोड़कर ज्यादातर एशियाई इंडेक्स बढ़त में कारोबार कर रहे थे।

मप्र, यूपी और बिहार में युवा बेरोजगारी दर घटी!

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय बजट से कुछ ही दिन पहले भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा में कहा था कि राज्य स्तर पर युवा बेरोजगारी दर में गिरावट का नेतृत्व युवा आबादी की बड़ी हिस्सेदारी वाले राज्यों ने किया है, जैसे कि उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 2021 के जनसंख्या अनुमान के अनुसार 6.9 करोड़ युवा, बिहार 3.5 करोड़ युवाओं के साथ, और मध्य प्रदेश 2.3 करोड़ युवाओं के साथ। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश की युवा बेरोजगारी दर 2017-18 में 16.7 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 7 प्रतिशत हो गई है, साथ ही इसी अवधि में युवा एलएफपीआर 33.7 प्रतिशत से बढ़कर 41.4 प्रतिशत हो गई है। इस प्रकार युवाओं को बढ़ावा देने वाले राज्य भी युवा रोजगार में वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में युवा आबादी के साथ-साथ युवा रोजगार भी बढ़ रहा है। पीएलएफएस के अनुसार युवा (आयु 15-29 वर्ष) बेरोजगारी दर 2017-18 में 17.8 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 10 प्रतिशत हो गई है, जबकि युवा एलएफपीआर 38.2 प्रतिशत से बढ़कर 44.5 प्रतिशत हो गया है। समीक्षा में कहा गया है कि इन छह वर्षों में नियोजित युवाओं का अनुपात 31 प्रतिशत से बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गया है, जो जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बावजूद एक बड़ी आबादी वाले देश के लिए एक उपलब्धि है।

बायजू राइट्स इश्यू के जरिए 20 करोड़ डॉलर जुटाएगी

नई दिल्ली ।

आर्थिक संकट का सामना कर रही शिक्षा-प्रौद्योगिकी फर्म बायजू 22-25 करोड़ डॉलर के उद्यम मूल्य पर इक्विटी राइट्स इश्यू के जरिए 20 करोड़ डॉलर जुटाने की तैयारी कर रही है। घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने कहा कि कंपनी केवल इश्यू की इस किस्त के लिए कम मूल्यांकन पर इक्विटी जारी करेगी। मार्च, 2022 में वित्त जुटाने के समय बायजू का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। कंपनी ने कहा कि थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) के निदेशक मंडल ने वृद्धि को रफ्तार देने और परिचालन स्थिरता हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए अपने सभी इक्विटी शेयरधारकों को राइट्स इश्यू जारी कर 20 करोड़ डॉलर की धनराशि जुटाने की आज शुरुआत की। सूत्रों के मुताबिक बायजू का संचालन करने वाली कंपनी टीएलपीएल का यह इश्यू फरवरी के आखिर तक बंद हो जाएगा। हालांकि कंपनी का मूल्यांकन काफी अधिक है और सिर्फ इस राइट्स इश्यू के लिए 22-25 करोड़ डॉलर का मूल्यांकन रखा गया है। इस इश्यू का उद्देश्य मौजूदा पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करना और सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करना है। बयान के मुताबिक बायजू के संस्थापकों ने सबसे बड़े शेयरधारकों के रूप में पिछले 18 माह में 1.1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर कंपनी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। बायजू के संस्थापक बायजू रवीन्द्रन ने कहा कि जुटाई गई राशि का इस्तेमाल देनदारियों के निपटान एवं परिचालन जरूरतों

को पूरा करने के लिए किया जाएगा। बायजू अब परिचालन लाभप्रदता हासिल करने से एक चौथाई से भी कम दूर है। यह कंपनी की रणनीतिक पहल की प्रभावशीलता और उसके कारोबारी मॉडल की मजबूती को दर्शाता है।

फंडिंग की खबर के बाद स्पाइसजेट के शेयर में तेजी

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट इस महीने 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की फंडिंग के साथ अपने बेड़े को अपग्रेड करने और लागत में कटौती के उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस खबर के सामने आने के बाद स्पाइसजेट के शेयरों में भी तेजी देखी गई। कंपनी का शेयर बीएसई पर बढ़त के साथ खुला और एनएसई पर 6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65.40 रुपये प्रति शेयर के उच्चतम स्तर को छू गया। एयरलाइन द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक पत्र के अनुसार अब उसके पास 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की पर्याप्त राशि है। इसमें सरकार से आपात क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत किस्त के रूप में प्राप्त 160 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कई परेशानियों से घिरी कंपनी को अब तक ईसीएलजीएस के तहत करीब 1,000 करोड़ रुपये मिले हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन ने तीन महीने में कुल 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड जुटाया है। पत्र के अनुसार, कंपनी बेड़े को अपग्रेड करने, समय पर सेवाएं देने और ऑपरेशन को सुव्यवस्थित करने के लिए लागत में कटौती के उपाय लागू करने पर ध्यान देगी।

देश का सोने का आयात 26.7 फीसदी बढ़कर 35.95 अरब डॉलर हुआ

-एक साल पहले की इसी अवधि में सोने का आयात 28.4 अरब डॉलर रहा था

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में देश का सोने का आयात 26.7 प्रतिशत बढ़कर 35.95 अरब डॉलर हो गया है। स्वर्ण आयात का देश के चालू खाते के घाटे (कैड) पर प्रभाव पड़ता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आयात में वृद्धि का कारण मांग का बेहतर होना था। एक साल पहले की इसी अवधि में सोने का आयात 28.4 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2023 में सोने का आयात 156.5 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब डॉलर का हो गया। स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है, जहां से आयात की हिस्सेदारी लगभग 41 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात लगभग 13 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका लगभग 10 प्रतिशत का स्थान है। देश के कुल आयात में इस कीमती धातु की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक की है। फिलहाल सोने पर 15 प्रतिशत का आयात शुल्क लगता है। सोने के आयात में वृद्धि के बावजूद देश का व्यापार घाटा इस वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में अप्रैल-दिसंबर, 2022 के 212.34 अरब डॉलर के मुकाबले घटकर 188.02 अरब डॉलर रह गया। चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता है। सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। इस अवधि के दौरान रत्न एवं आभूषण निर्यात 16.16 प्रतिशत घटकर 24.3 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल 26 दिसंबर को जारी भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत का चालू खाते का घाटा तेजी से कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक प्रतिशत या 8.3 अरब डॉलर रह गया। इसका मुख्य कारण व्यापारिक व्यापार घाटा कम होना और सेवा निर्यात में वृद्धि होना है। चालू खाते का घाटा तब होता है जब आयातित वस्तुओं और सेवाओं और अन्य भुगतान का मूल्य किसी विशेष अवधि में किसी देश द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात और अन्य प्राप्तियों के मूल्य से अधिक हो जाता है।

आईरोबोट 350 कर्मचारियों की छंटनी करेगा

- अमेजन-आईरोबोट के सौदे को समाप्त किए जाने के बाद लिया फैसला

सैन फ्रांसिस्को ।

उपभोक्ता रोबोट बनाने वाली कंपनी आईरोबोट ने लगभग 350 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, जो उसके कार्यबल का लगभग 31 प्रतिशत है और इसके संस्थापक और सीईओ कॉलिन एंगल भी पद छोड़ देंगे। यह छंटनी अमेजन-आईरोबोट के 1.7 बिलियन डॉलर के सौदे को नियामक बाधाओं के कारण पारस्परिक रूप से समाप्त किए जाने के बाद हुई। डील खत्म होने की खबर के बाद आईरोबोट के शेयर 10 प्रतिशत गिर गए। इस कार्यबल में कटौती के हिस्से के रूप में आईरोबोट को 2024 की पहली दो तिमाहियों में मुख्य रूप से विच्छेद और संबंधित लागतों के लिए 12 मिलियन डॉलर और 3 मिलियन डॉलर के बीच पुनर्गठन शुल्क दर्ज करने की उम्मीद है, इसमें अधिकांश पुनर्गठन शुल्क 2024 की पहली तिमाही में अनुमानित हैं। आईरोबोट बोर्ड के अध्यक्ष एंड्रयू मिलर ने कहा कि हमें एक स्टैंडअलोन कंपनी के रूप में अपने भविष्य के लिए अपने ऑपरेटिंग मॉडल और लागत संरचना को तेजी से संरेखित

करना चाहिए। हालांकि हमारे लोगों को प्रभावित करने वाले निर्णय कठिन हैं, हमें अधिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और लाभप्रदता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आईरोबोट के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य कानूनी अधिकारी ग्लेन वेनस्टीन को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया है और मिलर को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आईरोबोट को वर्ष 2023 में 891 मिलियन डॉलर का राजस्व दर्ज करने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत कम है। समाप्ति शुल्क के लगभग 20 प्रतिशत के वित्तीय सलाहकार शुल्क के भुगतान के बाद कंपनी सावधि ऋण चुकाने के लिए 35 मिलियन डॉलर की समाप्ति शुल्क तुरंत लागू करेगी और शेष समाप्ति शुल्क को भविष्य के लिए उपयोग करने के लिए अलग रखा जाएगा।

एआई से बढ़ रही गोपनीय चिंताएं, सतर्क हो रहीं कंपनियां

12 देशों के 2,600 गोपनीयता एवं सुरक्षा पेशेवरों से की गई बातचीत

नई दिल्ली ।

कंपनियों को जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेन एआई) के उपयोग पर बढ़ती गोपनीयता संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। एक अध्ययन के अनुसार 12 देशों के 2,600 गोपनीयता एवं सुरक्षा पेशेवरों से बातचीत के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। जिसमें कहा गया है कि कंपनियां जेन एआई को बुनियादी तौर पर एक अलग प्रौद्योगिकी के रूप में देखती हैं, जिसमें तमाम नई चुनौतियों पर गौर करने की जरूरत है। 90 फीसदी से अधिक प्रतिभागियों का मानना है कि जेनएआई को डेटा और जोखिम को प्रबंधित करने के लिए नई तकनीक की जरूरत है। इस पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि ग्राहकों के विश्वास को बनाए रखना इसी पर निर्भर करता है। भारत के बारे में इस रिपोर्ट के निष्कर्षों से पता चलता है कि 92 फीसदी प्रतिभागियों का मानना था कि अगर वे अपने ग्राहकों के डेटा को पर्याप्त सुरक्षित नहीं रखेंगे तो वे उनसे खरीदारी नहीं करेंगे। सौ फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि बाहरी गोपनीयता प्रमाणपत्र ग्राहकों के खरीदारी निर्णय को प्रभावित

करने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक है। भारत में 98 फीसदी प्रतिभागियों का कहना था कि डेटा का नैतिक उपयोग करना कंपनियों की जिम्मेदारी है। इसी प्रकार 96 फीसदी प्रतिभागियों ने सहमति जताई कि गोपनीयता एक व्यावसायिक अनिवार्यता है, न कि महज एक अनुपालन बोझ। करीब 95 फीसदी प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि गोपनीयता के लाभ उसकी लागत के मुकाबले काफी अधिक हैं। 95 फीसदी प्रतिभागियों ने माना कि उन्हें अपने ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए काफी अधिक प्रयास करने की जरूरत है। 97 फीसदी ने कहा कि अगर डेटा का भंडारण अपने ही देश या क्षेत्र में किया जाए तो वह काफी सुरक्षित होगा। मगर 96 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि डेटा स्थानीयकरण से कारोबार की लागत बढ़ जाएगी। भारत में 88 फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि गोपनीयता कानून का उनके कारोबार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

सोना और चांदी लगातार दूसरे दिन महंगा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह लगातार दूसरे दिन मंगलवार के कारोबारी दिन सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,400 रुपये और चांदी के 72,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपये की तेजी के साथ 62,423 रुपये के भाव पर खुला जो 82 रुपये की तेजी के साथ 62,449 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 172 रुपये की तेजी के साथ 72,549 रुपये के भाव पर खुला जो 40 रुपये की तेजी के साथ 72,417 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,032.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,025.40 डॉलर था जो 5.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,030.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव

23.32 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.25 डॉलर था जो 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 23.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्राजील फुटबॉल परिसंघ हस्तक्षेप को रोके : फीफा

रियो डी जनेरियो । ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने कहा है कि सीबीएफ को अपनी फुटबॉल संस्था में हस्तक्षेप को रोकना होगा। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। फीफा के अनुसार अगले साल की शुरुआत में ही नए अध्यक्ष का चुनाव होता है तो वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से निलंबित कर सकता है। फीफा ने ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) से कहा है कि अगर उसने इंतजार करने की उसकी अपील पर ध्यान देने की जगह एडनाल्डो रोड्रिग्स की जगह नए अध्यक्ष का चयन जल्दबाजी में किया तो उसे निलंबित किया जा सकता है। गौरतलब है कि रियो डी जनेरियो की एक अदालत ने पिछले साल फुटबॉल संस्था के चुनाव में अनियमितताओं के कारण ही रोड्रिग्स और सीबीएफ में उनके द्वारा नियुक्त सभी लोगों को सात दिसंबर को पद से हटा दिया था। ब्राजील की ही दो शीर्ष अदालतों ने पिछले सप्ताह इस फैसले को बनाये रखा। फीफा अपने सदस्य संघों के कामकाज में सरकार या किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं रहता है और इसलिए ब्राजील के फुटबॉल संघ पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है।

भारत की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमों को चीन के साथ एक ही समूह में रखा गया

नई दिल्ली,

एकल में एचएस प्रणय की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम और युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जबरदस्त जोड़ी को एक चुनौतीपूर्ण ड्रा में आगामी बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए हांगकांग और एशियाई पावरहाउस चीन के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। चैंपियनशिप का पांचवां संस्करण 13-18 फरवरी, 2024 तक शाह आलम, मलेशिया में होने वाला है। केवल शीर्ष दो टीमों के नॉकआउट चरण में पहुंचने के साथ, भारत को उस समूह में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है जिसमें क्षेत्र के सबसे मजबूत बैडमिंटन राष्ट्र में से कुछ शामिल हैं इसी तरह, प्रतिष्ठित पी.वी सिंधु की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम को चीन के साथ ग्रुप डब्ल्यू में रखा गया है। पुरुषों के समूह के विपरीत, महिलाओं के समूह में केवल दो टीमें शामिल हैं, जिससे भारत और चीन दोनों को नॉकआउट चरण में जगह मिल गई है। फ्रेंच ओपन में लगी चोट के कारण लगभग तीन महीने तक बाहर रहीं सिंधु इस टूर्नामेंट से वापसी करेंगी। महिला टीम में अश्विनी पोनप्पा, गायत्री गोपीचंद और नवोदित अनमोल खरब जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप प्रतिष्ठित थॉमस कप (पुरुष टीम विश्व कप) और उबेर कप (महिला टीम विश्व कप) के लिए क्वालीफायर के रूप में काम करती है। पोडियम फिनिश का लक्ष्य रखने वाली भारतीय टीमों के पास पिछले संस्करण से अपने प्रदर्शन को बेहतर करने का मौका है, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमें ग्रुप चरण में बाहर हो गई थीं। अपने थॉमस कप खिताब का बचाव करने की कोशिश कर रही पुरुष टीम के पास प्रणय, सात्विक और चिराग की मजबूत लाइनअप है। इस बीच, महिला टीम अपने पिछले क्वार्टरफाइनल को पार करना चाहती है। अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ, भारत चैंपियनशिप के इस संस्करण में उत्कृष्ट प्रदर्शन का लक्ष्य रखेगा। बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप भारतीय उस्ताद पी.वी सिंधु के लिए विशेष महत्व रखती है, जो चोट के कारण हुए अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धा में लौट आई हैं। सिंधु का नेतृत्व, टीम की गहराई के साथ मिलकर, भारत के लिए महाद्वीपीय बैडमिंटन मंच पर अपनी छाप छोड़ने और 2024 में एक सफल अभियान की नींव रखने का अवसर प्रस्तुत करता है।

घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले सरफराज अब अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरेंगे

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए शामिल

मुम्बई ।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम की हार के साथ ही दो खिलाड़ी भी चोटिल हो गये। ऐसे में दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बदलाव करते हुए घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल किया गया है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में हार के कारण सीरीज में 1-0 से पीछे है। भारतीय टीम में पहला टेस्ट हारने के बाद बड़े बदलाव किए गए हैं पर ये ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने की वजह से करने पड़े हैं। जडेजा और राहुल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन सुंदर और सरफराज खान के नाम की घोषणा की है। वहीं आवेश खान को पिछले दिनों बाहर कर दिया गया था। इसलिए उनके स्थान पर सौरव कुमार को टीम में जगह दी गई है.

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड रहा है। उन्होंने इसमें जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं ने उन्हें दूसरे टेस्ट मैच के लिए अवसर दिया है। इससे पहले इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ खेली जा रही अनाधिकृत टेस्ट सीरीज में सरफराज ने 161 रन की शानदार पारी खेली थी। गौरतलब है कि 2020 रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की तरफ से खेलते हुए सरफराज ने 301 रन बनाये थे।

टी20 प्रारुप में खेला जाएगा एशिया कप

यूएई ओर ओमन मेजबानी की दौड़ में शामिल

मुम्बई ।

अगले साल 2025 में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। वहीं पिछला एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में खेला गया था जिससे कि एकदिवसीय विश्वकप के लिए खिलाड़ियों को अनुभव मिल सके। पिछली बार एशिया कप पहले पाकिस्तान में खेला जाना था पर अंत में इसे संयुक्त रुप से पाक और श्रीलंका में आयोजित किया गया था। इस बार इसकी मेजबानी ओमान और यूएई में से किसी एक को मिल सकती है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने टी20 विश्व कप 2026 की बेहतर तैयारी के लिए इस आयोजन को टी20 प्रारूप में ही खेलने का फैसला किया है। एसीसी की आगामी वार्षिक आम बैठक में इस पर फैसला होगा। यह बैठक इंडोनेशिया के बाली में दो दिनों में होगी। वहीं टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए यूएई और ओमान से बात हो रही है। पांच साल में दूसरी बार एशिया कप टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। एशिया कप में भारतीय टीम हमेशा ही हावी रही है और उसने अब तक 8 बार खिताब जीता है। वहीं श्रीलंका ने 6 बार जबकि पाक ने दो बार जीत दर्ज की है।

सूरज पंवार ने 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया

चंडीगढ़

उत्तराखंड के सूरज पंवार ने मंगलवार को यहां इंडियन ओपन रेस वॉकिंग प्रतियोगिता में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मानक हासिल कर लिया है। पंवार ने एक घंटा, 19 मिनट और 43 सेकेंड (1:19:43.08) का समय निकालकर रजत पदक जीता। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल का क्वालीफाइंग मानक 1:20:10 है। पिछले साल पेरिस क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले अक्षदीप सिंह ने 1:19:37.56 के समय के साथ अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, और 1:19:55.00 सेकेंड के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में नेशनल के दौरान बनाया था। सर्विन ने मंगलवार को 1:20:29 के समय के साथ कांस्य पदक जीता और पेरिस 2024 के लिए प्रवेश मानक को तोड़ने से चूक गए।

23 वर्षीय आकाशदीप, विकास सिंह और परमजीत बिष्ट के बाद पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए प्रवेश मानक को तोड़ने वाले चौथे भारतीय हैं। लेकिन पेरिस 2024 में एक कार्यक्रम में एक देश में केवल तीन रेसवॉकर हो सकते हैं और अब एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) को इस पर अंतिम फैसला करना है कि चार में से कौन पेरिस जाएगा। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में पंजाब की मंजू रानी ने 1:34:16.67 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पायल (1:34:45.10) और मुनिता प्रजापति (1:35:36.16) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।35 किमी पुरुष और महिला दौड़ बुधवार को आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जडेजा और राहुल की कमी पूरी करना टीम इंडिया के लिए होगा मुश्किल

मुम्बई । रविंद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। राहुल और जडेजा ने पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था। ये दोनो ही टीम के अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में इनकी कमी पूरी करना भारतीय टीम के लिए मुश्किल होगा। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है जबकि विराट कोहली निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की राह आसन नहीं रहेगी। चयनकर्ताओं ने दूसरे टेस्ट के लिए सरफराज खान, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। वहीं रजत पाटीदार को इस मैच में राहुल की जगह बल्लेबाजी के लिए उतारा जा सकता है। वहीं जडेजा की जगह कुलदीप यादव को उतारे जाने की संभावना है। भारतीय टीम इस मैच में चार स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज के साथ भी उतर सकती है। ऐसे में मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप को रखा जा सकता है। वहीं सरफराज या वॉशिंगटन सुंदर को मध्यक्रम में उतारा जा सकता है। हैदराबाद के एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर अब तक दो टेस्ट खेले गए हैं और पिच बल्लेबाजों की सहायक रही है। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि अंतिम एकादश में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर भारत को लगता है कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से काम चल जाएगा तो कुलदीप को टीम में रखना चाहिए। उसके पास विविधता है और विकेट टर्न ले सकता है। वहीं वॉशिंगटन सुंदर भी चयन के दावेदार हैं। पूर्व चयनकर्ता शरणदीप सिंह ने कहा कि हरफनमौला उपयोगी होता है लेकिन अंतिम एकादश में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'रजत पाटीदार को राहुल की जगह और जडेजा की जगह कुलदीप को उतारा जा सकता है।

हरभजन ने कहा टर्निंग पिच भारतीय टीम पर पड़ सकती हैं भारी

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम को आगाह किया है। हरभजन ने कहा कि भारत के लिए टर्निंग पिच बनाना नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। इससे उसे इंग्लैंड से हार का सामना भी करना पड़ सकता है। हरभजन ने कहा, टीम अच्छी दिखाई दे रही है। उसके पास रोहित शर्मा जैसा बल्लेबाज है, इसके अलावा युवा बल्लेबाज भी हैं, ऐसे में अगर पिच अच्छी हुई तो वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर मुझे डर है कि भारतीय टीम टर्निंग पिच के कारण न हार जाये। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए जो बदलाव किए हैं वह खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण किये गये हैं। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और केएल राहुल चोटिल होने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन सुंदर और सरफराज खान को रखा है। इंग्लैंड की टीम पहले मैच को जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे होने के कारण भी बढ़े हुए मनोबल के साथ दूसरे टेस्ट में उतरेगी। यह मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को ज्यादा ही आजादी दे दी : पनेसर

ल्यूटन ।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ मिली जीत काफी बड़ी है और इसी ने भी इसकी कल्पना नहीं की थी। पनेसर के अनुसार भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी इसका अंदेशा नहीं था। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अब आने वाले मैचों में भारतीय टीम को मेहमान टीम को अधिक आजादी नहीं देनी होगी। उन्होंने माना कि विराट कोहली टीम में होते तो वह उनकी टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड टीम अब भी आगामी चार टेस्ट मैचों में असफलता के डर के साथ खेलेगी। मोंटी ने कहा कि इंग्लैंड की टीम हार से नहीं डरती, अगर वे हारते हैं तो भी नहीं डरते। इसलिए अगले चार मैचों में भी वे असफल होने से डरे बिना खेलेंगे। यह एक बहुत बड़ी जीत है, किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह संभव होगा। सभी ने सोचा था कि इंग्लैंड 190 रनों से पीछे होन के बाद हार जाएगा पर ओली पोप ने शानदार पारी खेलकर बाजी पलट दी। ये सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी और रोहित इसका अंदाज नहीं लगा पाये थे। उन्होंने आगे कहा कि इंग्लैंड की भारत पर पहले टेस्ट मैच में 28 रनों की जीत से ऐसा लगा जैसे उन्होंने विश्व कप जीत लिया हो। यह इंग्लैंड की विदेश में अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक थी। यह इंग्लैंड में एक बड़ी खबर है। ऐसा लगता है जैसे हमने विश्व कप जीत लिया है। इस स्पिनर ने कहा कि मेहमान टीम भारतीय क्रिकेटरों को देखकर सीख रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड टीम ने भारत की कमजोरियों को देखा है और इसी कारण उन्हें समझ आया कि उन्होंने मेजबान टीम को कैसे हराया जाये। मोंटी ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो भारत से सीख रही है, वे भारत को देखते हैं, वे देखते हैं कि गेंदबाज कैसे गेंद डालते हैं, वे देखते हैं कि वे कैसे बल्लेबाजी करते हैं और उनकी शारीरिक भाषा कैसी है। वे भारतीय टीम में किसी भी कमजोरी को देखते हैं और फिर वे समझना शुरू करते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

वहीं जब मोंटी से पूछा गया कि क्या रवींद्र जड़ेजा और केएल राहुल की चोट से दूसरे टेस्ट मैच में भारत के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा तो उन्होंने कहा कि अब रोहित शर्मा अपनी असली कप्तानी दिखा सकते हैं। उन्होंने भारतीय कप्तान से कुछ संघर्ष दिखाने को भी कहा।

दीप्ति आईसीसी रैंकिंग में संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर पहुंची

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष दस में दो भारतीय महिला क्रिकेटर शामिल

दुबई ।

भारतीय महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ ही संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं। दीप्ति को हाल में किये अच्छे प्रदर्शन के कारण एक पायदान का लाभ हुआ है। वहीं भारत की ही रेणुका सिंह भी शीर्ष दस में शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा को तीन स्थान का नुकसान हुआ है और वह दूसरे से गिरकर पांचवें स्थान पर फिसल गयी हैं। पाकिस्तान की सादिया भी दीप्ति के साथ ही संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड की सारा ग्लेन को चौथा स्थान मिला है। स्पिनर सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर बनी हुई हैं। ऑलराउंडरों में दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष दस में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं बल्लेबाजों में भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना चौथे, जेमिमा रौड्रिग्स 13वें, शेफाली वर्मा 16वें और हरमनप्रीत कौर 17वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ नंबर एक पर बनी हुई है जबकि उनकी ही साथी खिलाड़ी ताहलिया मैकग्रा दूसरे स्थान पर हैं।

सरफराज ने टीम चयन पर खुशी जतायी , सूर्यकुमार की पोस्ट साझा की

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए टीम में जगह मिलने पर खुशी जतायी है। केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण बीसीसीआई ने दूसरे टेस्ट के लिए सरफराज खान को बुलाया है। सरफराज ने पिछले कुछ वर्षों से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम की घोषणा के बाद, सरफराज ने बल्लेबाज और मुंबई टीम के अपने साथी खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की एक पोस्ट साझा कर उन्हें धन्यवाद दिया है। इसमें सूर्या ने लिखा था, मेडन इंडिया कॉल। उत्सव की तैयारी करो कुछ देर बाद सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पिता के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की है। इससे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। वहीं बीसीसीआई ने कहा कि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल को चोटिल होने के कारण विशापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। इसमें कहा गया, बीसीसीआई की मेडिकल टीम दोनों की प्रगति पर नजर रख रही है।

डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में 31 देशों की खिलाड़ी भाग लेंगी

मुंबई,

महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (एमएसएलटीए) और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा आयोजित मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप में 31 देशों की खिलाड़ी एक्शन में नजर आएंगी, जो छह साल के अंतराल के बाद टेनिस कैलेंडर में लौट आया है। यह डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन का तीसरा संस्करण है, जिसमें दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका (2017) और थाईलैंड की लुक्सिका कुमखुम (2018) सहित पिछले एकल चैंपियन शामिल हैं। टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण में एक रोमांचक लाइन-अप में एकल में तीन शीर्ष 100 खिलाड़ी और युगल स्पर्धा में छह शीर्ष 100 खिलाड़ी शामिल होंगे, जो डब्ल्यूटीए 125च्य श्रृंखला का एक हिस्सा है। टूर्नामेंट क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में नवनिर्मित टेनिस कोर्ट पर खेला जाएगा। क्वालीफाइंग मैच 3 और 4 फरवरी से खेले जाएंगे जबकि मुख्य ड्रॉ की कार्रवाई 5 फरवरी से शुरू होगी। फाइनल 11 फरवरी को खेला जाएगा। अमेरिकी कायला डे, 2016 यूएस ओपन गर्ल्स सिंगल्स चैंपियन और विश्व नंबर 82, जापान की नाओ हिबिनो, तीन डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब के विजेता और पूर्व फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट तमारा जिदानसेक, 97 वें स्थान पर हैं, के साथ 32-खिलाड़ियों के क्षेत्र का नेतृत्व करेंगी। मैदान में अन्य खिलाड़ियों में अमेरिकी केटी वोलिनेट्स, ऑस्ट्रेलियाई अरीना रोडियोनोवा और किम्बर्ली बिरेल और ब्राजील की लौरा पिगोसी शामिल हैं। सोलह वर्षीय रूसी अलीना कोर्नीवा, जो पिछले साल दुनिया में शीर्ष क्रम की जूनियर थीं, और लड़कियों का एकल खिताब जीतने के सिर्फ 12 महीने बाद 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल स्पर्धा के तीसरे दौर में पहुंचीं, दोनों आईएएस और आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा, हम कुछ वर्षों के अंतराल के बाद विश्व स्तरीय टेनिस को मुंबई में वापस लाकर खुश हैं।

भी इसमें नजर आएंगी। भारत की शीर्ष क्रम की युगल खिलाड़ी प्रार्थना थोम्बारे और डच जोड़ीदार एरियन हार्टोनो को युगल स्पर्धा में सीधा प्रवेश है। आने वाले दिनों में टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड की घोषणा होने की उम्मीद है। संजय खंडारे और प्रवीण दराडे,

ऋषभ ने हादसे के दर्द भरे अनुभवों को याद किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गत वर्ष हुए कार हादसे से अब उबर गये हैं और फिटनेस हासिल करने के लिए जिम में भी अभ्यास में लग गये हैं। ऋषभ के आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं एक कार्यक्रम के दौरान ऋषभ ने उस घटनाक्रम को याद करते हुए कहा कि हादसे के दौरान कुछ पल के लिए मुझे ऐसा लगा था कि अब मेरा समय दुनिया में समाप्त हो गया है। उस हादसे में इस क्रिकेटर को गंभीर चोटें आई थीं। उनके दाहिने घुटने का लिगामेंट भी फट गया था जिसके लिए दो बार सर्जरी हुई थी। इस क्रिकेटर ने उस दर्द भरे अनुभव के बारे में बताया है जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची थी। इसमें उन्होंने साल 2022 के अंत में हुई घातक कार दुर्घटना को याद करते हुए कहा कि जीवन में पहली बार मुझे ऐसा लगा जैसे इस दुनिया में मेरा समय अब समाप्त हो गया है। दुर्घटना के दौरान मुझे घावों के बारे में पता था पर मैं भाग्यशाली था क्योंकि यह और भी गंभीर हो सकता था। मुझे लगा कि किसी ने मुझे बचा लिया है। अस्पताल में मैंने जब डॉक्टर से पूछा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा, तो उसने कहा कि करीब डेढ़ साल। मुझे पता था कि मुझे इस रिकवरी समय को कम करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्क्रिप्ट राइटिंग के करियर में अपार संभावनाएं हैं

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टीच्यूट आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

बेहद लाभदायक करियर है इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है।

इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है।

इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

सफलता के लिए ये तीन सूत्र हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं।

मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सऊदी अरब में है दुनिया की सबसे बड़ी कांच की इमारत, नाम है माराया

सऊदी । दुनिया की सबसे बड़ी कांच की इमारत सऊदी अरब में है। इस इमारत का नाम माराया है, जो कि कांच से ढंकी इमारत है। बता दें कि दुनिया में एक से बढ़कर एक इमारतें हैं जो अपनी भव्यता और सुंदरता के लिए जानी जाती हैं। हर प्रसिद्ध इमारतों में कुछ न कुछ खास बात होती है। ऐसी ही एक इमारत सऊदी अरब में है जो कि पूरी कांच की बनी है। इस बिल्डिंग का नाम गिनीज वर्ल्ड बुक में दर्ज है। ये दुनिया की सबसे बड़ी कांच की इमारत है जो कि सऊदी अरब के अलउला में स्थित है। इस बिल्डिंग का नाम माराया है। ये एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ दर्पण या प्रतिबिंब होता है। इस बिल्डिंग का वीडियो सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हो रहा है। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है कि 'माराया दुनिया की सबसे बड़ी कांच से ढकी इमारत है।' वायरल वीडियो में देख सकते हैं कि शीशे की तरह चमकदार इस बिल्डिंग के पीछे पहाड़ियां दिख रही हैं। इस बिल्डिंग की दीवार लंबी हैं, जिस पर चारो तरफ शीशे ही शीशे लगे हुए हैं। बिल्डिंग के शीशे में रेत के टिले, पहाड़, सड़क पर चल रही गाड़ियां और लोगों की प्रतिबिम्ब बनते हुए दिख रहा है। वीडियो को सड़क पर जा रहे एक वाहन चालक ने रिकॉर्ड किया है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को खबर लिखे जाने तक 22.3 मिलियन लोगों ने देखा और 78 हजार लोगों ने लाइक किया है। यह इमारत 9,740 ग्लास पैनलों से बनी है, जो इमारत के 105,000 स्क्वायर फुट को कवर करता है। इस बिल्डिंग को वास्तुशिल्प का चमत्कार कहा जाता है। माराया को कॉन्सर्ट हॉल, इवेंट्स स्पेस और मनोरंजन स्थल के रूप में बनाया गया है। कॉन्सर्ट हॉल में 500 सीटें हैं। यह बिल्डिंग चार मंजिला ऊंची है, जिसमें एंटरटेनमेंट वेन्यू, इवेंट, कॉन्फ्रेंस और डाइनिंग की सुविधाएं हैं। माराया कॉन्सर्ट हॉल, जैसा हॉल अन्य कहीं नहीं मिलेगा। ये कॉन्सर्ट हॉल 1777 वर्गमीटर का एक ऑडिटोरियम है, जहां 500 गेस्ट्स आराम से बैठ सकते हैं। इस कॉन्सर्ट हॉल में एक रॉयल सुइट भी है, जो रॉयल फैमिली के लोगों के लिए बुक रहता है।

विवादित अबेई क्षेत्र में हुई झड़प, 54 लोगों की गयी जान

खार्तूम। सूडान और दक्षिण सूडान के बीच तेल समृद्ध क्षेत्र अबेई में अंतर-सांप्रदायिक झड़पों में 52 नागरिक और दो शांति सैनिक मारे गए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल अबेई (यूएनआईएसएफए) ने दी है। इस दौरान यूएनआईएसएफए ने एक बयान में अबेई में जारी अंतर-सांप्रदायिक झड़पों को लेकर चिंता जतायी और कहा कि शनिवार को एक और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक की मौत हो गयी। वहीं संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि वह झड़पों के कारण मारे गए, घायलों और विस्थापितों की संख्या की पुष्टि करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। मौजूदा समय में मृतक और घायल नागरिकों की संख्या क्रमशः 52 और 64 है। यूएनआईएसएफए ने नागरिकों और शांति सैनिकों के खिलाफ इन हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि नीले हेलमेट के खिलाफ हिंसा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र मिशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वह शांति बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास हो रहा है, जिसमें सक्रिय रूप से और मजबूती से नागरिकों की रक्षा करना, अपराधियों को जवाबदेह ठहराने के लिए त्वरित जांच की मांग दोहराना शामिल है। यहां गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की स्थापना 2011 में सुरक्षा परिषद द्वारा विवादित अबेई क्षेत्र की निगरानी के लिए की गई थी। बता दें कि मौजूदा समय में सूडान और दक्षिण सूडान के बीच सीमा पर 5,326 सैनिक तैनात हैं।

चीन के शिनजियांग प्रांत में आया भूकंप

बीजिंग । पश्चिमोत्तर चीन में भूकंप आने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र के किर्गिज़ स्वायत्त प्रान्त किज़लिसु के अहेकी काउंटी में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार मंगलवार सुबह 6:27 बजे ये झटके महसूस किये गये। इस दौरान भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.7 मापी गयी। सीईएनसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में 41.15 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 78.67 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

लेबनान में इजरायली हमले का कहर, 2 की मौत, 2 घायल

बेरूत । लेबनान की दक्षिणी सीमाओं पर इजरायल हमलों का कहर बरप रहा है। जानकारी के अनुसार इजरायल की ओर से किए गए हमले में सोमवार को हिजबुल्लाह के दो सदस्य मारे गए और दो नागरिक घायल हो गए। लेबनान के सैन्य सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के आठ कस्बों और गांवों पर 14 हवाई हमले किए गए और तीन घरों को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के 15 कस्बों और गांवों पर इजरायल की ओर से लगभग 100 गोले भी दागे गए, जिससे आठ मकान नष्ट हो गए और 25 अन्य को नुकसान पहुंचाया गया है। इधर लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने अल-समाका, अल-मोटेला और ज़ारित बैरक सहित कई इजरायली ठिकानों पर हमला किया। बता दें कि हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल पर हमास के हमलों का समर्थन करने के बाद गत आठ अक्टूबर से लेबनानी-इजरायल सीमा पर तनाव बढ़ गया है। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, हिजबुल्लाह और इज़रायल के बीच टकराव में लेबनानी पक्ष के 239 लोग मारे गए हैं, जिनमें 173 हिजबुल्लाह सदस्य और 39 अन्य नागरिक शामिल हैं।

आधे से ज्यादा जमीन खरीदकर गांववालों को परेशान कर रहा अरबपति

लंदन । ब्रिटेन के एक शख्स ने पैसे के दम पर एक गांव की ज्यादातर जमीनें खरीद ली और अब वह लोगों को परेशान करने पर तुला हुआ है। जानकार इस घटना पर कह रहे हैं कि पैसा हो तो इंसान क्या कुछ नहीं कर सकता। वो गरीब लोगों के जीवन में तमाम मुश्किलें भी खड़ी कर सकता है। जैसा कि इस शख्स ने किया है। जानकरी के अनुसार माइकल ब्रिच नाम के एक शख्स ने एक गांव की आधे से ज्यादा जमीन खरीद ली। अब वो उसे खिलौने की तरह इस्तेमाल कर रहा है, जिससे वहां रहने वाले आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह अरबपति ब्रिटेन का रहने वाला है। वो तब खबरों में आया था, जब उसने सोशल मीडिया साइट बेबो को 2008 में लगभग 800 मिलियन पाउंड में बेच दिया था और बाद में उसे लगभग 1 फीसदी कीमत पर वापस खरीद भी लिया था। अब ब्रिच उत्तरी डेवोन के छोटे से गांव वूलसेरी में जमीन खरीद रहा है। इसे खूबसूरत बनाने और किसानों की मदद करने के बजाय वो यहां की जमीन को वह खिलौने की तरह इस्तेमाल कर रहा है। अपना मन बहलाने के लिए उसने यहां एक फर्जी फिल्म सेट भी बना लिया है। बताया जा रहा है कि उसने इस जगह को फिल्म सेट जैसा दिखाने के लिए बड़ी हवेली जैसा घर बनाने की योजना बनाई है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इससे उनके और अमीर लोगों के बीच जंग शुरू हो जाएगी। ब्रिच के यहां जमीन खरीदने के बाद से प्रॉपर्टी के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। अब लोगों को गांव छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हालांकि अब तक उसने कई कॉटेज, एक बड़ा फार्म, स्थानीय सुपरमार्केट, मछली और चिप की दुकान खरीदी है। उसने क्षेत्र में लगभग 65 नई नौकरियां भी पैदा की है। एक स्थानीय बुजुर्ग ने कहा, ये सब नकली है। वो जो कुछ बनवा रहा है, वह फिल्म सेट जैसा लगता है। ये पारंपरिक तौर पर खेती करने वाला गांव हुआ करता था। इसमें कोई फैन्सी चीज नहीं थी। लोग गांव छोड़कर जाने वाले हैं।

सियोल में लोग टीवी पर उत्तरकोरिया के बैलास्टिक मिसाइल दागे जाने की रिपोर्ट देखते हुए।

हम तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर... डोनाल्ड ट्रंप क्यों दे रहे डरावनी चेतावनी

न्यूयार्क (एजेंसी)। जॉर्डन में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ा राजनीतिक युद्ध छिड़ गया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने इसका दोष जो बाइडेन पर मढ़ते हुए दावा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति हमें तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर ले जा रहे हैं। उनका दावा अब जोर पकड़ रहा है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो आंतरिक विफलताओं से जूझ रहा है, सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए तेजी से बाहरी संघर्षों की ओर रुख कर रहा है।

अमेरिकी बेस पर हमले के लिए ईरान समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया गया। अमेरिकी बेस पर घातक ड्रोन हमले में तीन सैनिकों की मौत और लगभग 40 अन्य के घायल होने के बाद जीओपी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक दावेदार ने दावा किया कि कमांडर इन चीफ के रूप में जो बाइडेन के साथ हमारा देश जीवित नहीं रह सकता। बाइडेन ने हमलों के लिए कट्टरपंथी ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों को दोषी ठहराया है। उन्होंने अमेरिकियों की मौतों और चोटों के लिए जिम्मेदार लोगों को हमारे द्वारा चुने गए समय पर और तरीके से जवाबदेह ठहराने की कसम खाई है।

संयुक्त राज्य अमेरिका पर यह निर्लज्ज हमला जो बिडेन की कमजोरी और आत्मसमर्पण का एक और भयानक और दुखद परिणाम है, ट्रम्प ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करने के बाद लिखा। ट्रम्प ने यहां तक तर्क दिया कि यदि मैं राष्ट्रपति होता तो घातक हमला कभी नहीं होता, यहां तक कि मौका भी नहीं मिलता। जैसे इजराइल पर ईरान समर्थित हमास का हमला कभी नहीं हुआ होगा, यूक्रेन में युद्ध कभी नहीं हुआ होगा, और अभी हमारे पास पूरी दुनिया में शांति होगी। इसके बजाय, हम तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर हैं।

भारत की तरह पाकिस्तान में भी नोटबंदी की तैयारी

कराची (एजेंसी)। पैसे को मोहताज मुल्क पाकिस्तान इन दिनों अपनी खराब आर्थिक नीतियों के कारण तंगहाली का सामना कर रहा है। अपनी मुद्री की गिरती कीमतों के बीच पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने घोषणा की है कि वह नकदी की कमी वाले देश में नकली मुद्राओं के खतरे से निपटने के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ नए मुद्रा नोट पेश करेगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने बताया कि करेंसी नोटों को उन्नत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सुविधाओं के साथ शामिल किया जाएगा, जिसमें पाकिस्तानी मुद्रा को आधुनिक बनाने के लिए विशिष्ट सुरक्षा संख्या और डिजाइन शामिल होगी। गवर्नर अहमद ने कहा कि परिवर्तन धीरे-धीरे होगा ताकि पाकिस्तान को व्यवधान और परेशानी की समस्याओं का सामना न करना पड़े जैसा कि अतीत में कुछ अन्य देशों में देखा गया है।

हालाँकि, कुछ वित्तीय विशेषज्ञों को आश्चर्य है कि क्या नए मुद्रा नोटों की शुरूआत में नकली और काले धन बाजार से निपटने के लिए 5,000 या उच्च मूल्य वर्ग के नोटों का विमुद्रीकरण भी शामिल हो सकता है। विशेषज्ञों के

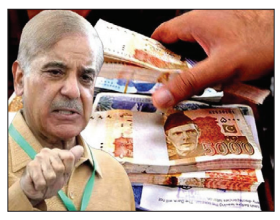

अनुसार, नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काले धन के अवैध उपयोग से काफी प्रभावित है, जो उच्च मूल्यवर्ग के नोटों के प्रचलन के कारण आसान है। बाजार जानकार ने कहा कि पाकिस्तान की मौद्रिक प्रणाली की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए यह सही कदम है, लेकिन क्या इसमें नोटबंदी भी शामिल होगी, यह देखना होगा।

उन्होंने केंद्रीय बैंक को लेकर पुष्टि की कि बाजार में नकली नोटों का चलन बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अगर नए करेंसी नोट प्रसारित किए जाते हैं, तब इससे प्रचलन में विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी और व्यवसायों को भी विश्वास मिलेगा। एक अन्य बैंकर ने कहा कि केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई मुद्रा के कार्यान्वयन के दौरान जनता और व्यवसायों को कोई असुविधा न हो।

चीन-पाकिस्तान के उड़ गए होश, जब अचानक तालिबान की बुलाई टॉप मीटिंग में पहुंच गया भारत, और फिर...

न्यूयार्क (एजेंसी)। भारत ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए सोमवार को काबुल में तालिबान सरकार द्वारा अफगानिस्तान पर बुलाए गए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया। यह बैठक, अगले महीने दोहा में संयुक्त राष्ट्र की सभा की पूर्ववर्ती बैठक है, जो क्षेत्रीय कूटनीति में एक उल्लेखनीय कदम है। काबुल में भारत की तकनीकी टीम के प्रमुख रामबाबू चेलप्पा ने देश का प्रतिनिधित्व किया। क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में नई दिल्ली की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत अफगानिस्तान के संबंध में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, और अफगानिस्तान की स्थिरता और विकास के लिए हर प्रयास का समर्थन करता है।

अफगानिस्तान की 'क्षेत्रीय सहयोग पहल' नामक सम्मेलन में रूस, चीन, पाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष दूतों और राजनयिकों की उपस्थिति देखी गई। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए अफगानिस्तान की स्थिरता और विकास की इच्छा पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान एक ऐसा देश है जो लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों से गुजरा है और शांति, सुरक्षा और स्थिरता हासिल की है। इसे संयुक्त राष्ट्र के किसी अन्य विशेष प्रतिनिधि की आवश्यकता नहीं है। मुत्ताकी ने तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान

की हालिया प्रगति पर भी प्रकाश डाला, जिसमें सुरक्षा बलों को संगठित करना, खतरों को बेअसर करना, पोस्ता की खेती पर प्रतिबंध लगाना और प्रमुख विकास परियोजनाएं शुरू करना शामिल है।

उन्होंने प्रतिभागियों से आपसी हितों के आधार पर जुड़ाव और सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए आगामी दोहा बैठक में अफगानिस्तान की वर्तमान वास्तविकताओं का सटीक रूप से प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया। मुत्ताकी ने कहा कि इस अवसर का लाभ उठाते हुए, मैं यहां उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे आगामी दोहा बैठक में आज के अफगानिस्तान की जमीनी हकीकत को दूर-दराज के पक्षों के सामने पेश करें, ताकि वे अफगानिस्तान के लिए यथार्थवादी, समझदार और स्वीकार्य दृष्टिकोण के साथ रचनात्मक जुड़ाव और सहयोग में प्रवेश कर सकें।

पाकिस्तान के कई इलाकों पर किया गया कब्जा, बलूच आर्मी के आगे मुनीर की सेना ने घुटने टेके

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। लेकिन उससे पहले ही पाकिस्तान में हमलों की बौछार हो गई है। पाकिस्तान में एक ही समय पर कई जगहों से हमले किए जा रहे हैं। अब तो पाकिस्तान के कई इलाकों पर कब्जा तक कर लिया गया है। भारत में बैठे लोगों को अंदाजा भी नहीं होगा कि पाकिस्तान पर कितना बड़ा हमला हुआ है। ईरान के हमले के बाद अब बताया जा रहा है कि अलग देश की मांग कर रही बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर बड़ा हमला कर दिया है। बलूचों का कहना है कि उन्होंने 50 पाकिस्तानी सैनिकों को मार दिया है। पाकिस्तान की सेना इतनी डर गई है कि वो अपने सैनिकों की लाशें तक उठाने नहीं गई। पाकिस्तानी सेना ने तो इन्हें अपना सैनिक मानने से भी इनकार कर दिया है। बलूचिस्तान के माच और बोलन शहर पर कब्जे का दावा भी बीएलए की तरफ से किया गया है। बलूचों ने इन शहरों में हर तरफ बारूदी सुरंगे लगा दी हैं। पाकिस्तान की सेना अब इन इलाकों में घुसने से घबरा रही है।

सुरक्षा बलों ने माच रेलवे स्टेशन पर हमले को नाकाम कर दिया

रॉकेट पास के पहाड़ों से दागे गए और माच शहर के विभिन्न इलाकों में विस्फोट हुए। रॉकेट दागने के बाद आर्तकियों ने सेंट्रल जेल के पास सुरक्षा बलों के कैंप पर हमला किया और माच रेलवे स्टेशन में भी घुस गए। अधिकारी ने कहा कि गोलीबारी जारी रहने के बाद लोगों को घर के अंदर रहने के लिए लाउडस्पीकर से घोषणा की गई। बलूचिस्तान में जेल महानिरीक्षक शुजा कासी ने पुष्टि की कि रॉकेट माच जेल की आवासीय कॉलोनी की दीवारों पर गिरे। उन्होंने कहा, मोर्टार गोले और रॉकेट कॉलोनी की दीवारों के करीब फटे। उन्होंने कहा कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में माच जेल में 800 कैदियों को रखा गया है, जिनमें कुछ मौत की सजा पाए कैदी भी शामिल हैं। मंत्री ने दावा किया कि आतंकवादी असलम अचो समूह से जुड़े थे, प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) समूह के माजिद ब्रिगेड ने बाद में हमले की जिम्मेदारी ली थी। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों और बलों के बीच गोलीबारी कुछ घंटों तक चली, इससे पहले कि दिन का उजाला होने से पहले वे आसपास के पहाड़ों में भाग गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिष्ठान को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बीएलए पाकिस्तानी पुलिस पर हमला क्यों कर रही है?

यह हमला पाकिस्तानी हमलों का स्पष्ट प्रतिशोध था, जिसे देश ने जनवरी की शुरुआत में ईरान में विद्रोहियों के ठिकाने बताया था। बीएलए ने 18 जनवरी को ईरान में उनके

शिविरों पर पाकिस्तान के हमलों के बाद बलूचिस्तान और अन्य जगहों पर सुरक्षा बलों पर हमले शुरू करने की धमकी दी थी, जिसमें कम से कम नौ लोग मारे गए थे। ये हमले पाकिस्तान में ईरानी हमले के जवाब में किए गए जो समान अलगाववादी लक्ष्यों वाले एक अलग बलूच समूह को निशाना बनाकर किए गए थे।

इमरान और शाह महमूद कुरैशी को 10 साल की सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान को सिफर मामले में कोर्ट ने 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। इमरान के साथ पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को भी 10 साल की सजा हुई है। इमरान वर्तमान में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। स्पेशल कोर्ट के फैसले को इमरान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वे पाकिस्तान में आम चुनाव लड़ना चाह रहते थे। माना जा रहा है कि अब दोनों नेताओं को 10-10 साल की सजा के बाद चुनाव लड़ने का रास्ता बंद हो गया है। इमरान और शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ सिफर का ये मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इमरान पर बेहद गुप्त जानकारी के निजी इस्तेमाल करने का आरोप है। सत्ता से बेदखल होने के बाद इमरान ने आरोप लगाया था कि उन्हें बेदखल करने के पीछे अमेरिका का हाथ है। इसके लिए इमरान ने आरोप लगाया था कि वाशिंगटन स्थित पाक एंबेसी ने उन्हें एक केबल (टेप या गुप्त जानकारी) भेजा था। इमरान ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए एक विवादित राजनयिक बातचीत को सार्वजनिक कर दिया था।

पड़ोस में हो रहीं गलत चीजों से मुंह नहीं फेर सकते, मालदीव के 'इंडिया आउट' अभियान पर बोले जयशंकर- कोई बच नहीं सकता

वाशिंगटन (एजेंसी)। लाल सागर में व्यापारी नौसेना के जहाजों पर हमले और क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाजों की तैनाती के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत की अधिक क्षमता, उसकी अपनी रुचि और प्रतिष्ठा आज इस बात की गारंटी देती है कि वह वास्तव में कठिन परिस्थितियों में मदद करता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई में एक बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारतीय नौसेना ने इस क्षेत्र में अपने 10 जहाज तैनात किए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की अधिक क्षमता, हमारा अपना हित और हमारी प्रतिष्ठा आज इस बात की गारंटी देती है कि हम वास्तव में कठिन परिस्थितियों में मदद करें। जयशंकर ने कहा कि अगर हमारे पड़ोस में बुरी चीजें हो रही हैं तो हमें एक जिम्मेदार देश नहीं माना जाएगा और हम कहते हैं कि मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मालदीव में 'इंडिया आउट' अभियान पर जयशंकर ने कहा कि दिन के अंत में पड़ोसियों को एक-दूसरे की ज़रूरत होती है। उन्होंने

कहा कि इतिहास और भूगोल बहुत शक्तिशाली ताकतें हैं। इससे कोई बच नहीं सकता।

अधिकारियों ने कहा कि भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डाकुओं द्वारा ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज पर हमला करने के बाद मछली पकड़ने वाले जहाज के 19 पाकिस्तानी चालक दल को बचाया। आईएनएस सुमित्रा को सोमालिया के पूर्व और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात किया गया है। जहाज ने सोमवार को ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज इमान पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया था।

भाजपा नेता की हत्या करने वाले पीएफआई के 15 सदस्यों को मौत की सजा

तिरुअनंतपुरम। भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवास की हत्या करने वाले प्रतिबंधित पीएफआई के 15 सदस्यों को जिला कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार बीजेपी नेता हत्याकांड में केरल की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। बता दें कि भाजपा नेता श्रीनिवास की 19 दिसंबर 2021 में जघन्य हत्या कर दी गई थी। अब जाकर कोर्ट ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 15 सदस्यों के खिलाफ मौत की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार मावेलिक्कारा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने सुनवाई के बाद इस चर्चित हत्याकांड में अदालत ने फैसला सुनाया है। दरअसल इस हत्याकांड की देशभर में चर्चा हुई थी। साथ ही केरल की राजनीति भी इसके बाद काफी गरमा गई थी। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में नैसम, अजमल, अनूप, मोहम्मद असलम, अब्दुल कलाम उर्फ सलेम, जफरुद्दीन, मनशाद, जसीबा राजा, नवास, समीर, नजीर, जाकिर हुसैन, शाजी पूवनथुंगल और शेरनस अशरफ को दोषी ठहराया गया था। ये सभी लोग अब प्रतिबंधित किए जा चुके संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसजीपीआई) से जुड़े हुए थे। केरल की अदालत ने इन सभी के खिलाफ सजा तय कर दी है।

अब ऑनलाइन रिजर्वेशन में बच्चों का हाफ टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली । रेलवे ने बच्चों के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन टिकट में कुछ बदलाव किया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, अब घर बैठे बच्चों के लिए रिजर्वेशन टिकट बुक कर सकते हैं। बच्चों के रेलवे रिजर्वेशन टिकट में ताजा बदलाव की नियमावली जारी कर दी गई है। पहले ऑफलाइन टिकट बुक करना होता था। डायरेक्टर (पीएम) ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सीट लेने और सीट नहीं लेने पर लिए जाने शुल्क में भी बदलाव नहीं है। एसीएम (आर) हरीश चतुर्वेदी का कहना है कि 1 से 10 वर्ष तक के बच्चों के लिए सीट का पूरा किराया देना होगा। रेलवे के डिप्टी सीसीएम (आर) अतुल श्रीवास्तव और रिजर्वेशन एक्सपर्ट अजय कश्मीरी बताते हैं कि अभी तक 5 से 11 साल तक के बच्चों का आधा टिकट लेने के लिए रेलवे स्टेशन जाना पड़ता था। दरअसल अभी तक अगर रिजर्वेशन कराते समय बच्चों का टिकट बुक नहीं किया और बाद में उनका भी रिजर्वेशन करना है, लेकिन उन्हें अलग से सीट नहीं चाहिए, तो ऐसे में आईआरसीटीसी से ऑनलाइन बुकिंग के बाद बच्चों को आधे किराए पर टिकट बुक करने का कोई प्रावधान नहीं था। तब रेलवे स्टेशन जाकर ही आधा टिकट लिया जा सकता था। लेकिन अब क्रिस ने सॉफ्टवेयर को अपडेट कर दिया है।

बच्चों के लिए क्या हैं नियम?

रेलवे के नियम के अनुसार 1 से 4 साल तक के बच्चे के लिए अलग से रिजर्वेशन कराने की जरूरत नहीं होगी। 5 साल से छोटे बच्चे बिना टिकट के ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। वहीं अगर 5 से 12 साल का बच्चा सफर करता है तो उसके लिए आधी टिकट लेनी होगी। लेकिन अगर आप बच्चे के लिए अलग से बर्थ चाहते हैं तो उसके लिए पूरा किराया देना होगा। टिकिट सीधे आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी) वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग कर सकते हैं।

यूट्यूबर दीपक नागर का कत्ल, अस्पताल में तोड़ा दम

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में घर से बुलाकर दोस्तों ने पहले शराब पार्टी की फिर मारपीट कर यूट्यूबर को घायल कर दिया। जिसके बाद घायल अवस्था में यूट्यूबर को अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने गांव के ही 6 आरोपियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। बता दें कि मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में 28 जनवरी की रात में मनीष ने अपने घर पर पार्टी के लिए यूट्यूबर दीपक नागर को बुलाया। जहां पहले शराब पार्टी में सभी ने साथ शराब पी और उसके बाद मनीष व अन्य लोगों ने दीपक के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के बाद गंभीर रुप से घायल दीपक अपने घर पहुंचा। जहां से परिजनों ने तुरंत ही दीपक को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने क्या बताया?

मामले में पुलिस ने बताया कि मनीष के घर पर पार्टी थी, जिसमें यूट्यूबर दीपक को भी बुलाया गया था। वहां पर उन लोगों ने पार्टी में शराब पी और फिर उसके बाद किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई। लड़ाई में दीपक के सिर में पंच लग गया। घर पहुंचने के 1 से 2 घंटे के बाद दीपक की तबीयत खराब हो गई। उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने पाया कि उसके सिर में ब्लड की क्लॉटिंग हो रही थी जिसके चलते उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई।

भाजपा ने रांची में लगाए सीएम सोरेन के गुमशुदगी के पोस्टर

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस वक्त पूरे देश के लिए चर्चा हो रही हैं। सीएम सोरेन पर ईडी की गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया है कि सीएम सोरेन ईडी के डर से कहीं लापता हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर मंगलवार को सीएम सोरेन रांची पहुंचे और दफ्तर में बैठक भी की है। इसी बीच झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को सोरेन पर कटाक्ष कर एक लापता पोस्टर ट्वीट किया, जिसमें मुख्यमंत्री के ठिकाने के बारे में जानकारी देने वालों को 11,000 रुपये का नकद इनाम देने का भी उल्लेख किया गया है। बता दें कि सोमवार को ईडी की टीम ने दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के घर पर रेड मारी थी। सोरेन उस वक्त वहां नहीं मिले लेकिन ईडी ने उनकी बीएमडब्ल्यू कार और लाखों रुपये के कैश को कब्जे में ले लिया है। दूसरी तरफ झारखंड भाजपा ने सोरेन को गुमशुदा घोषित करते हुए पोस्टर जारी कर इनाम का भी ऐलान किया है। मरांडी द्वारा ट्वीट किए गए पोस्टर में सोरेन को 5 फुट 2 इंच के व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है, जो सफेद शर्ट, काली पतलून और चप्पल पहने हुए है। पोस्टर में दावा किया गया है कि सोरेन 40 घंटे से अधिक समय से लापता थे और उन्हें आखिरी बार रात 2 बजे अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ घूमते देखा गया था।

साइबर सुरक्षा कंपनी ने किया 75 करोड़ भारतीयों के डाटा चोरी का खुलासा

नई दिल्ली। साइबर सुरक्षा कंपनी ने 75 करोड़ भारतीय ग्राहकों के डाटा चोरी का खुलासा किया है। इसके बाद दूरसंचार विभाग ने सर्विस ऑपरेटर से अपने सिस्टम का सिक्योरिटी ऑडिट कराने के लिए कहा है। मिली जानकारी के अनुसार विभाग ने ये निर्देश एक साइबर सुरक्षा कंपनी द्वारा 75 करोड़ भारतीय ग्राहकों की जानकारी में सेंध लगने के दावे के बाद जारी किया है। साइबर सुरक्षा कंपनी क्लाउडसेक के दावे के अनुसार, उसके यूज़र्स ने पाया है कि हैक करने वाले डार्क वेब पर 75 करोड़ भारतीय मोबाइल यूज़र्स से जुड़ी जानकारी (1.8 टेराबाइट) या ब्योरा बेच रहे हैं। हालांकि क्लाउडसेक ने कहा कि हैकर ने किसी भी उल्लंघन में शामिल होने से इनकार किया है और कानूनी रूप से उसने अघोषित स्रोत के माध्यम से आंकड़े प्राप्त करने का दावा किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार परिचालकों से अपने सिस्टम के सिक्योरिटी ऑडिट कराने को कहा है। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि दूरसंचार परिचालकों ने अनौपचारिक रूप से विभाग को जानकारी दी है कि 'क्लाउडसेक रिपोर्ट में लीक जानकारी का जो दावा किया गया है, वह दूरसंचार ग्राहकों के पुराने आंकड़ों का संकलन लगता है।

अधिकारी ने कहा कि यह उनके सिस्टम में किसी भी तरह की गड़बड़ी या कमजोरी के कारण नहीं है। साइबर सुरक्षा फर्म क्लाउडसेक के शोधकर्ताओं ने पाया कि साइबो क्रू के सहयोगी साइबोडिविल और यूनिट8200 ने हाल ही में बिक्री के लिए एक विशाल 'भारतीय मोबाइल नेटवर्क उपभोक्ता डेटाबेस' का विज्ञापन किया है। इसमें नाम, मोबाइल नंबर, पता और आधार विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। सरकारी साइबर सुरक्षा इकाई इंडियन कंप्यूटर एमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम से जुड़ी साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि मामला 23 जनवरी को सामने आया। इसके बाद क्लाउडसेक ने संबंधित अधिकारियों और संगठनों को सूचित किया है।

सिर पर गमछा बांध, ठेठ देसी अंदाज में किसानों से मिले राहुल

-खटिया पर बैठकर की बातचीत, मोदी सरकार पर लगाया आरोप

पूर्णिया (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज ठेठ देसी अंदाज में पूर्णिया के किसानों से मिलने पहुंचे। इस दौरन उन्होंने खटिया पर बैठकर बहुत ही आत्मीयता से बातचीत की। बता दें कि इस समय राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार के पूर्णिया पहुंच गई है। यहां राहुल गांधी का ठेठ देसी अंदाज दिखाई दिया है। सिर पर गमछा बांधे राहुल गांधी ने खटिया पर बैठकर किसानों की बात सुनी और उनकी सभी समस्याओं के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। जानकारी मिली है कि कांग्रेस आज पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में बड़ी रैली का भी आयोजन कर रही है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार के सीमांचल में पहुंच गई है। जहां किसानों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को हर तरफ से घेरा जा रहा है। आपकी जमीन छीनी जा रही है। आपसे जमीन छीन ली जाती है और अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को उपहार के रूप में दे दी जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि दूसरी ओर, जब खाद और बीज की बात आती है तो आप पर दबाव डाला जाता है। और आपका पैसा छीन लिया जाता है। राहुल ने पीएम मोदी के तीन काले कानूनों की भी आलोचना की।

राहुल ने किसानो से कहा कि मोदी जो कानून लाए और आपकी नाक के नीचे, जो आपका था उसे छीनने की कोशिश की। अच्छा हुआ कि देश के सभी किसान इसके खिलाफ खड़े हो गए और वे पीछे नहीं हटे, आपकी जान वापस आ गई नहीं तो आप सब बर्बाद हो गए होते। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि किसान देश की रीढ़ हैं लेकिन अरबपतियों के 14 लाख करोड़ रुपये माफ हो गए। अभी किसानों का कर्ज है माफ नहीं किया गया। यहां गौरतलब है कि सीमांचल में अपने गढ़ को मजबूत करने के लिए कांग्रेस आज पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में एक बड़ी रैली भी करने वाली है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, बिहार में महागठबंधन के सहयोगी राजनीतिक दल राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और सीपीआई (एमएल)-एल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली में आमंत्रित किया गया है।

चंडीगढ़ में आप-कांग्रेस को पटखनी देकर भाजपा ने जीता मेयर चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के दखल के बाद मंगलवार को चंडीगढ़ में मेयर पद के लिए चुनाव हुआ। चुनाव में कांग्रेस-आप के आठ वोट खराब हो गए, इस कारण बीजेपी का उम्मीदवार जीत गया है, जबकि आप-कांग्रेस के प्रत्याशी की हार हुई है। इस चुनाव को इंडिया ब्लॉक का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। इसके बाद पहले ही टेस्ट में इंडी गठबंधन को हार मिली है। बीजेपी को चड़ीगढ़ के मेयर चुनाव में 16 वोट मिले हैं, जिसके बाद बीजेपी प्रत्याशी मनोज सोनकर की जीत हो गई। वहीं कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी को सिर्फ 12 वोट मिले हैं। दरअसल कांग्रेस के पास 7 वोट थे, जबकि आप के पास 13 वोट थे। इसमें से 8 वोट निकिष्य हो गए हैं। चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार की जीत हो गई है।

जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी: ममता बनजी

रायगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिये आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है।

बनर्जी ने कहा, चुनाव नजदीक आते देख, भाजपा ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए फिर से सीएए का मुद्दा उठाया है। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर दूं कि जब तक मैं जीवित हूं, पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं होने दूंगी। बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा।

रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में सीएए को मंजूरी दी थी। कानून में 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

देश में असली मुद्दा बेरोजगारी और मंहगाई : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास देश के सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है और 'मोदी की गारंटी' जैसी बातें ''सिर्फ जुमला हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीडियो भी साझा किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग इजराइल में नौकरी पाने के मकसद से कतारबद्ध नजर आ रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, अगर कहीं पर युद्ध के हालात हैं, तब सबसे पहले हम अपने नागरिकों को वहां से बचाकर, वापस अपने वतन लाते हैं, लेकिन बेरोजगारी ने आज ये हाल कर दिया है कि देश की सरकार हजारों असहाय और मजबूर युवाओं को युद्धग्रस्त इजराइल जाकर ये खतरा उठाने से भी बचा नहीं रही।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, यहां, अपने देश में इन्हें रोजगार क्यों नहीं मिल रहा? लंबी-लंबी कतारों में दो-दो दिनों से खड़े युवा क्या हमारे देश के बच्चे नहीं हैं कि हम इन्हें खुशी से इतने भयानक युद्ध के बीच भेजने को तैयार हैं? उन्होंने कहा, गौर कीजिए, कितनी चालाकी से मोदी सरकार इस देश के युवाओं का व्यक्तिगत मसला बना रही है! प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि सरकार की इसमें क्या भूमिका है?

उन्होंने सवाल किया कि भारत सरकार ने इजराइल को भारतीय युवाओं की बलि लेने की स्वीकृति किस आधार पर दी है? उन्होंने कहा, ''हमारे इन युवकों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? भगवान न करे अगर किसी के साथ कोई दुर्घटना हो गई तब किसकी जिम्मेदारी होगी? उन्होंने कहा, आज भारत का असली मुद्दा बेरोजगारी और महंगाई है। भाजपा सरकार के पास इसका कोई हल नहीं है। देश के युवा अब यह बात समझ रहे हैं।

संसद के बजट सत्र से पहले सभी निलंबित सांसद होंगे बहाल

नई दिल्ली। पिछले सत्र के निलंबित सांसदों के लिए खुशखबरी है कि अब सभी निलंबित सांसदों को सत्र से पहले बहाल कर दिया जाएगा। बता दें कि संसद का बजट सत्र कल से शुरू होने वाला है। इस सत्र से ठीक पहले सभी निलंबित सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, निलंबित सांसदों के निलंबन को रद्द करने के बारे में पूछे जाने पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, 'सभी (निलंबन) रद्द किए जाएंगे। मैंने (लोकसभा) अध्यक्ष और (राज्यसभा) सभापति से बात की है, मैंने उनकी ओर से भी अनुरोध किया है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'यह अध्यक्ष और सभापति के क्षेत्राधिकार में आता है। इसलिए, हमने उन दोनों से अनुरोध किया है कि वे संबंधित विशेषाधिकार प्राप्त समितियों से बात करें, निलंबन रद्द करें और उन्हें सदन में आने का अवसर दें। दोनों इस पर सहमत हो गए। उन्होंने कहा कि निलंबित सांसद कल से सदन में भी आएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले, 31 जनवरी से आरंभ हो रहे संसद के बजट सत्र के मद्देनजर सरकार ने मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता शामिल हुए। रक्षा मंत्री और लोकसभा में सदन के उपनेता राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। संसद भवन परिसर में हुई इस बैठक में उपस्थित नेताओं में कांग्रेस के नेता कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता टी आर बालू, शिवसेना के राहुल शेवाले, समाजवादी पार्टी के नेता एस टी हसन, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता राम नाथ ठाकुर और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के जयदेव गल्ला शामिल थे।

बजट सत्र से पहले सरकार ने कहा, हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने मंगलवार को विभिन्न दलों के नेताओं से कहा कि वह संसद के आगामी बजट सत्र में हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। बजट सत्र की पूर्व संध्या पर मोदी सरकार द्वारा बुलाई गई पारंपरिक सर्वदलीय बैठक से बाहर निकलते हुए, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार संक्षिप्त सत्र के दौरान हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है।

मालूम हो कि संसदीय चुनावों की घोषणा से पहले यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लोकसभा में उपनेता राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और उपनेता अर्जुन राम मेघवाल ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। संसद भवन परिसर में बैठक में उपस्थित नेताओं में कांग्रेस के के सुरेश, टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय, डीएमके के टीआर बालू, शिवसेना के राहुल शेवाले, समाजवादी पार्टी के एसटी हसन, जेडी (यू) के रामनाथ ठाकुर और टीडीपी के जयदेव गल्ला शामिल थे।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि उन्होंने असम में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हिंसक हमले और राज्य सरकार के प्रतिबंधों का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि देश में अलिखित तानाशाही कायम है। उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद जैसे विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। तिवारी ने कहा कि उन्होंने विपक्षी दलों से सलाह के बाद ये मुद्दे उठाए हैं।

वीआईपी के बच्चों की पढ़ाई सरकारी स्कूल और परिवार का इलाज -सरकारी अस्पताल में अनिवार्य होना चाहिए: वरुण गांधी

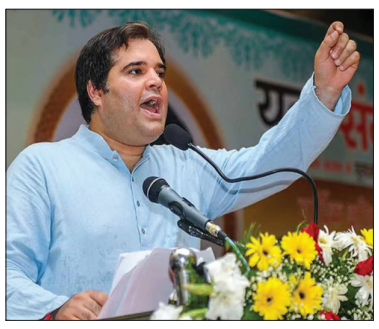

पीलीभीत(एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद वरुण गांधी ने जनता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि ऐसा कानून बनाना चाहिए जिसमें कोई भी वीआईपी अपने बच्चे को सरकारी स्कूल में पढ़ाने को मजबूर हो जाए। जबकि परिवार को जब भी इलाज की जरुरत हो तो सरकारी अस्पताल में ही कराना पड़े। इस तरह का सख्त कानूना बनेगा तो सरकारी स्कूल हो या अस्पताल खुद व खुद सुधर जाएंगे। वीआईपी को भी पता चलेगा कि किन मुश्किलों के साथ आम आदमी को इलाज और शिक्षा मिल पा रही है।

वरुण गांधी ने कहा कि गांव के भीतर जो लोग अस्पतालों में इलाज के लिए जाते है, उनसे कहा जाता है आप बेहतर इलाज के लिए लखनऊ, दिल्ली जाइए। मैंने कहा इसका इलाज बहुत जल्दी हो सकता है। शिक्षा और स्वास्थ्य का मामला है। उसको लेकर सांसद, विधायक, डीएम, एसपी और सभी वीआईपी के लिए सरकारी स्कूल में पढ़ाने व सभी के परिवार के इलाज सरकारी अस्पताल में कराए जाने का सरकार कानून बना दे तो सभी सिस्टम अपने आप सुधर जाएगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अफसरों के सामने झुककर और डरते हुए शिकायत करना होती है। जबकि महात्मा गांधी और नेता सुभाषचंद्र बोस कहते थे कि देश आजाद होने के बाद आम जनता को किसी के आगे झुककर शिकायत नहीं करना पड़ेगी।वरुण गांधी ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, चंद्र शेखर आजाद से लेकर जहां एक दौर क्रांति नेतृत्व का था, लेकिन धीरे-धीरे आज देश में एक ऐसा नेतृत्व आया है जो अब देश की चिंता के साथ नेता अपनी चिंता भी करने लगे है। जो आज कल राजनिति में आ रहे है, वो अपना हित कर रहे है।

आज देश को ऐसे नेता की जरूरत है जो ईमानदार हो।आज एक ऐसा भारत बनना चाहिए, जिसमें ऐसी भावना हो कि सबका हिस्सा हो और सबके सपनों की कीमत एक हो। वरुण गांधी ने कहा कि आजादी के समय महात्मा गांधी ने कहा था कि हिंदुस्तानियों को कभी भी किसी के सामने झुकना नहीं पड़ेगा। लेकिन यह आज सच साबित नहीं होता, क्योंकि आज इस आजाद देश में जब आप किसी पुलिस स्टेशन या अधिकारी के सामने जाते हैं तो अपने काम के लिए लोगों के आगे झुकना पड़ता है। जब हम अपनी बात झुक कर रखेंगे तो मैं यह पूछता हूं कि इस देश में नई व्यवस्था में नए राजा और अंग्रेज कहां से आ गए। मैं ऐसा देश देखना चाहता हूं कि आदमी अपनी बात बिना डर के रखे। इतने सारे लोग वरुण गांधी का कभी न कभी विरोध करते है, क्या कभी गांधी परिवार ने रंजिश के साथ से काम किया? क्या हमने दुश्मनी किसी के साथ निकाली? क्या हमने किसी पर केस लगवाया या किसी को हमने उठवाया? हमने कहा कि पीलीभीत मेरा परिवार है और हम उसके मुखिया है।

राजस्थान के स्कूलों में हिजाब पर लग सकता है प्रतिबंध, राज्य में चढ़ा सियासी पारा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में हिजाब को लेकर सियासी घमासान शुरु हो गया है। वजह ये है कि भाजपा विधायक ने एक स्कूल में दो तरह के बच्चे दिखाई देने पर कहा था कि कुछ हिजाब में और कुछ बिना हिजाब के। इससे स्कूल के ड्रेस कोड के कोई मायने नहीं रह जाते है। इसी बात पर मुस्लिम छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन कर दिया और संभावनाएं जताई जाने लगीं कि स्कूलों में हिजाब को प्रतिबंधित किया जा सकता है। बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं की ओर से किए प्रदर्शन के बाद भजनलाल सरकार के मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा भी इस मामले में मुखर हो गए हैं। उन्होंने विधायक आचार्य के तर्क का समर्थन किया है। वहीं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी शिक्षा विभाग से इस पर रिपोर्ट मांगी है।

दिलावर ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मंगलवार दोपहर तक रिपोर्ट मांगी है कि किन किन राज्यों के स्कूलों में हिजाब पर बैन है। इस बारे में पूरी जानकारी मांगी गई है।कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने हिजाब पर प्रतिबंध की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस बारे में सीएम भजनलाल से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में समान ड्रेस कोड होना चाहिए। हिजाब का समर्थन करने वाली ताकतें नहीं चाहती कि मुस्लिम समुदाय के बच्चे शिक्षित बनें। उन्होंने कहा कि मुसलमानों का डीएनए हिंदुस्तानी है। मुगल आक्रांताओं के साथ हिजाब और बुर्का भारत में आया था। आज मुस्लिम देशों में भी कई जगह हिजाब प्रतिबंधित है। हिजाब को लेकर जयपुर में उपजे इस विवाद के बाद सोमवार को मुस्लिम छात्राओं ने सुभाष चौक थाने का घेराव कर जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके परिजन और मुस्लिम समुदाय के अन्य लोग भी मौजूद थे। प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन ने इस मामले में छात्राओं को 2 दिन का आश्वासन दिया है। स्कूली छात्राओं की मांग है कि हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य इस मामले में माफी मागें। छात्राओं का आरोप है कि उनके स्कूल के वार्षिक उत्सव में आए विधायक ने उनसे हिजाब को लेकर बातें की। वहीं उन्होंने धार्मिक नारे भी लगवाए। वे ये बर्दाश्त नहीं करेंगी। बाद में इस मामले में विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बयान देते हुए कहा कि उनको स्कूल में दो तरह का माहौल नजर आया था। एक हिजाब में और दूसरा बिना हिजाब के। उन्होंने तर्क दिया कि स्कूल का ड्रेस कोड तय है तो बच्चों को उसका पालन करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो फिर हमारे बच्चे भी अलग अलग कलरफुल ड्रेस या फिर लहंगा चुन्नी पहनकर आएंगे तो स्कूल कैसे चलेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार का कुख्यात नौटंकी गैंग का मुख्य मुखबिर पकड़ा गया

पुलिस ने ५० हजार का इनाम घोषित किया,२० साल की उम्र में हत्या,डकैती का संगीन अपराध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :पुलिस ने सूरत के सचिन जीआईडीसी से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो लोडेड पिस्तौल समेत पांच कारतूस भी बरामद किये गये हैं। इनमें से एक आरोपी बिहार के कुख्यात नौटंकी गिरोह का सरगना है। पुलिस ने मास्टरमाइंड अंकितसिंह उर्फ गद्दारसिंह परमेंदरसिंह उर्फ लालूसिंह राजपूत और उसके ख्म पार्टनर उदन कुमार कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया है। बिहार में पुलिस ने गैंगस्टर अंकितसिंह पर ५० हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। जबकि गैंग के सरगना नौटंकी पर तीन लाख का इनाम है। अंकितसिंह पर बिहार में छापेमारी, डकैती, हत्या, दंगा, आर्म्स एक्ट, पुलिस पर हमला सहित गंभीर अपराध हैं। बिहार की एसटीएफ पुलिस कब्जा लेने के लिए सूरत पहुंच गई है। पुलिस ने सूरत के सचिन जीआईडीसी की लक्ष्मीविला टाउनशिप से दो को लोडेड देशी पिस्तौल के साथ पकड़ा है। जिसमें बिहार के छपरा सारण और मुजफ्फरनगर में सक्रिय नौटंकी गिरोह का कुख्यात बदमाश अंकितसिंह भी शामिल है। बिहार के छपरा सारण जिले के मांजी थाने में दर्ज हत्या के प्रयास और पुलिस पर हमले के मामले में वांछित अंकितसिंह उर्फ गद्दारसिंह की तलाश में बिहार एटीएस की एक टीम दो दिन पहले सूरत पहुंची थी। जिसके तहत सचिन जीआईडीसी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अंकितसिंह उर्फ गद्दारसिंह परमेंदरसिंह उर्फ लल्लूसिंह राजपूत (उम्र. २० निवासी. लक्ष्मीविला टाउनशिप, सचिन जीआईडीसी व मूल. मुबारकपुर, जिला. पूर्व. सारन, छपरा, बिहार) को गिरफ्तार किया। सचिन जीआईडीसी के लक्ष्मीविला टाउनशिप और उसके ख्म पार्टनर उदनकुमार नवलकिशोरप्रसाद कुशवाह (उम्र २०, मूल निवासी लाकारीटोला, मधुपुर, जिला शिवान, बिहार) को गिरफ्तार किया गया। अंकितसिंह से ५ कारतूसों से भरी एक देशी पिस्तौल बरामद की गई थी। पुलिस ने एक पिस्तौल, कारतूस और दो मोबाइल फोन सहित संबंधित सामान जब्त कर लिया।

तबादले के मुद्दे पर प्रिंसिपल से दुर्व्यवहार करनेवाली शिक्षिका को निलंबित कर दिया

शिक्षिका ऐसे व्यवहार करती नजर आ रही है जैसे वह मानसिक रूप से अस्थिर है

प्रिंसिपल को चप्पल दिखाते हुए गाली गलौज का मामला पुलिस थाने पहुंचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके के एक स्कूल का वीडियो कल वायरल हुआ था। जिसमें एक टीचर ने ट्रांसफर के मुद्दे पर पुलिस की मौजूदगी में स्कूल के प्रिंसिपल के साथ गाली-गलौज की और उन्हें चप्पल से मारा। जाते-जाते अन्य स्टाफ को भी अपशब्द कहे थे। शिक्षिका के ऐसे अभद्र व्यवहार के मामले में आखिरकार नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अधिकारियों ने उसे निलंबित कर दिया है। सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के भेस्तान इलाके में एक स्कूल में जब एक शिक्षिका का तबादला हुआ तो उन्होंने यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया कि प्रिंसिपल उनसे ज्यादा काम ले रहे हैं और झूठी शिकायतें की जा रही हैं। एक तरफ छात्र पढ़ाई कर रहे थे उस वक्तये टीचर हंगामा कर रही थी। उसने हाथ में चप्पल लेकर पुलिस की मौजूदगी में प्रिंसिपल को पीटना शुरू कर दिया और भद्दी-भद्दी गालियां दीं। इसके अलावा उन्होंने वहा मौजदु अन्य शिक्षकों से भी अभद्रता की। पुलिस की मौजूदगी में यही व्यवहार विद्यालय के अन्य शिक्षकों के साथ भी किया गया। कल की घटना के बाद उस शिक्षिका को निलंबित किया गया।

वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा समिति ने जांच की तो पता चला कि शिक्षिका दिपालीबेन जगदेवराव वानखेडे ने अन्य स्कूलों में भी हिंसक व्यवहार किया है। इसके अलावा पूरे मामले में शिक्षा समिति की छवि भी धूमिल हुई है। स्कूल में छात्रों की मौजुदगी में प्रिन्सीपाल से गाली-गलौज करने वाली शिक्षिका ऐसे व्यवहार करती नजर आ रही है जैसे वह मानसिक रूप से अस्थिर है। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और अंतत: इस शिक्षिका को निलंबित कर दिया।

आयकर धारा-४३ बी (एच) के कार्यान्वयन को एक वर्ष के लिए स्थागित करने की मांग

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के माध्यम से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष प्रस्ताव रखा जायेगा

चैंबर सहित दक्षिण गुजरात के प्रमुख कपड़ा संघों का प्रतिनिधित्व

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा सोमवार, २९ जनवरी, २०२४ को शाम ६.०० बजे सांहती, सरसाना, सूरत में महत्वपुर्ण बैठक हुई। जिसमें दक्षिण गुजरात के एमएसएमई उद्योग के प्रमुख कपड़ा संघों ने विधेयक-२०२३ में आयकर धारा -४३ बी (एच) से जुड़े मुद्दों को जानने और उनका समाधान करने के लिए बैठक हुई। चैंबर ऑफ कॉमर्स के मंच पर विभिन्न कपड़ा संगठनों ने बैठक कर आयकर कानून पर चर्चा की। भारत सरकार का लक्ष्य लघु उद्योगों को मजबूत करना है। एमएसएमईडी अधिनियम २००६ माल की स्वीकृति की तारीख से ४५ दिनों के भीतर आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान का प्रावधान करता है। हालाँकि, चूंकि आपूर्तिकर्ता को कभी-कभी निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान प्राप्त नहीं होता है, इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए आयकर अधिनियम की धारा ४३बी में एक नया खंड (एच) जोड़ा गया है और वित्तीय वर्ष २०२३-२४ से लागू हो गया है। इस ज्वलंत प्रश्नों एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर चर्चा की।

फोगवा, फोस्टा, साउथ गुजरात वार्प निटर्स एसोसिएशन, साउथ गुजरात टेक्सचराइजर्स एसोसिएशन, साउथ गुजरात टेक्सटाइल प्रोसेसर्स एसोसिएशन और सी.ए. एसोसिएशन के नेता बैठक में मौजूद थे। उन्होंने चैंबर अध्यक्ष के समक्ष अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किय। सभी चर्चाओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए, दक्षिण गुजरात के अग्रणी टेक्सटाइल एसोसिएशन द्वारा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के माध्यम से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धारा -४३ बी (एच) के कार्यान्वयन को एक वर्ष के लिए निलंबित करने के लिए एक लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

स्मीमेर अस्पताल के औचक दौरे पर पहुंचे समिति अध्यक्ष, कुकिंग टेस्ट करते समय खाने में निकला कंकर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के अस्पताल समिति के अध्यक्ष स्मीमेर अस्पताल के अधिकारियों को झाडा

सूरत नगर निगम संचालित स्मीमेर अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले भोजन में कंकर निकला है। अस्पताल समिति अध्यक्ष मनीषा अहीर ने आज औचक निरीक्षण किया। जहां मनीषा अहीर ने किचन सेक्शन का निरीक्षण किया। इसी दौरान मरीजों को दिए गए भोजन की जांच के दौरान उनके ही भोजन से कंकर निकला। रसोई विभाग की इस लापरवाही पर उपस्थित अधिकारियों को फटकार लगायी और आवश्यक निर्देश दिये। इसके अलावा अत्याधुनिक किचन बनाने की प्रक्रिया भी चल रही है।

अस्पताल समिति के अध्यक्ष मनिषा आहिर मरिजों का भोजन टेस्ट करते हुए

सूरत नगर निगम के अस्पताल समिति की अध्यक्ष मनीषा आहीर ने आज स्मीमेर अस्पताल का दौरा किया। आरएमओ नर्सिंग और रसोई विभागों के अधिकारी को भी औचक निरीक्षण में शामिल किया। जहां उन्होंने रसोई विभाग का औचक निरीक्षण किया। आज रसोई विभाग की ओर से मरीज को दिये गये भोजन की जांच की गयी तो उसमें कंकर पाया गया। इसलिए उपस्थित अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में फटकार लगाई।

३० जनवरी से १३ फरवरी इस बीच, "स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान" का शुभारंभ

सूरत शहर-जिले में कुष्ठ रोग दर प्रति १,००० जनसंख्या पर ०.६० प्रतिशत है: २०,००० व्यक्तियों में से १

राज्य सरकार के प्रयासों से लाइलाज माने जाने वाले कुष्ठ रोग का इलाज अब आसानी से सुलभ हो गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कुष्ठ रोग के बारे में जन जागरूकता पैदा करने और इसकी रोकथाम के लिए संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से ३० जनवरी को दुनिया भर में 'कुष्ठ दिवस' के रूप में मनाया जाता है। जिसके तहत राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्यव्यापी अभियान के तहत सूरत जिले में भी कुष्ठ रोग जन जागरूकता आयोजित की गई। ३० जनवरी से १३ फरवरी तक च्स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियानज्ञ शुरू किया गया है। च्ह्स अभियान के तहत, कुष्ठ रोग के बारे में जन जागरूकता च्क्कलंक को समाप्त करें, गरिमा को अपनाएंज्ञ - पाक्षिक की थीम पर की जाएगी।

३०वें कुष्ठ रोग दिवस पर जिला स्वास्थ्य विभाग एवं सिविल अस्पताल की ओर से न्यू सिविल अस्पताल स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. ज्योति गुप्ता (विभागीय उपनिदेशक, सूरत जोन), डॉ. अनिल पटेल (मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ. योगेश पटेल (त्वचा विभाग प्रमुख, नवी सिविल), आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, फिजियोथेरेपी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य, जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, कुष्ठ रोग विभाग और न्यू सिविल अस्पताल के डॉक्टर, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी छात्र, नर्सिंग स्टाफ, एम. पी.एच.डब्ल्यू., एसएसआई सहित ५०० लोग एसएमसी और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुआ।

रैली के दौरान हमें कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव न करने, व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के प्रति नफरत या भेदभाव को खत्म करने और कुष्ठ उन्मूलन में